शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 205 | गुवाहाटी | शनिवार, 28 फरवरी, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनडीए की सीट बंटवारे की बातचीत जारी, 10 मार्च की समय सीमा तय : सीएम पेज 2
जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से प्रतिदिन एक लाख लोगों तक पहुंचने का... पेज 3
राष्ट्रीय विकास के लिए घरेलू निर्माण बढ़ाना जरूरी : शेखावत पेज 5
टी20 विश्व कप के बीच रिंकू सिंह पर टूटा दुखों का पहाड़... पेज 7

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में छिड़ी जंग

इस्लामाबाद का 274 तालिबान मारने का दावा, काबुल का पलटवार

इस्लामाबाद/काबुल (एजे/हि.स.)। पाकिस्तान ने कथित तौर पर दावा किया है कि उसके नए मिलिट्री हमले में 274 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए और कई घायल हुए हैं। काबुल को तनाव बढ़ने की चेतावनी देते हुए, इस्लामाबाद के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि सेना में *किसी भी आक्रामक इरादे को कुचलने* की क्षमता है, जबकि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे सब्र की हद हो गई है और चेतावनी दी कि अब दोनों पक्षों के बीच खुली जंग है। पत्रकारों ने तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग के पास नई गोलीबारी और गोलाबारी की खबर दी। शुक्रवार को सुबह करीब 9:30 बजे से अफगानिस्तान की तरफ से गोलाबारी की आवाजें सुनी गईं, जिसके बाद बॉर्डर पार से गोलीबारी हुई। पाकिस्तान के डॉन ने सरकारी मीडिया के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी एयर फोर्स (पीएएफ) के जेट अफगानिस्तान के कंधार इलाके के आसमान में पेट्रोलिंग कर रहे हैं। ब्रॉडकास्टर ने सिक्योरिटी सूत्रों के हवाले से कहा कि पाकिस्तानी आर्म्ड फोर्स किसी भी हमले के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उनके पास करारा जवाब देने की काबिलियत है। दोनों पक्षों ने जो हुआ उसके बारे में बिल्कुल अलग-अलग बातें बताई हैं। तालिबान सरकार ने शुक्रवार के एयर स्ट्राइक की पुष्टि की, प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान सेना ने 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया, जबकि अफगान सैनिकों में मरने वालों की संख्या 13 बताई। पाकिस्तानी सेना के पब्लिसिटी विंग, आईएसपीआर के हेड, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद

शरीफ चौधरी ने रिपोर्टरों को बताया कि *तालिबान सरकार के 274 सदस्य और आतंकवादी* मारे गए हैं, जबकि 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। दोनों पक्षों के हताहत होने के दावों को अलग-अलग वेरिफाई करना मुश्किल है। मालूम हो कि पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए काबुल और कंधार पर बमबारी की है। इससे पहले अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए सीमा पर हमले तेज कर बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है। दोनों तरफ से बमबारी हो रही है। पाकिस्तान की तरफ से पिछले सप्ताह किए गए हवाई हमलों का जवाब देते हुए अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात जवाबी कार्रवाई कर दावा किया कि उसने डूरंड लाइन पर करीब 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। इसके बाद पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ *ऑपरेशन गजब-लिल-हक* शुरू कर शुक्रवार तड़के काबुल, कंधार और पक्तिया में तालिबान के रक्षा ठिकानों पर बमबारी की। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए कहा कि अब पाकिस्तान का धैर्य जवाब दे गया है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पोस्ट में कहा कि कायर पाकिस्तानी सेना ने काबुल, कंधार और पक्तिया के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए हैं लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान के हमले की निंदा की है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि पाकिस्तानी विमानों ने एक बार फिर काबुल, कंधार और पक्तिया पर बमबारी की। अफगानिस्तानी लोग हर हाल में पूरी एकता के साथ अपनी प्यारी मातृभूमि की रक्षा करेंगे और आक्रामकता का साहस से जवाब देंगे। पाकिस्तान हिंसा और बमबारी से खुद को मुक्त नहीं कर सकता- ये समस्याएं उसने खुद पैदा की हैं लेकिन उसे अपनी नीति बदलनी होगी और अफगानिस्तान के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध, सम्मान और सभ्य संबंधों का मार्ग चुनना होगा।' टोलो न्यूज ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के बयान के हवाले से बताया है कि सेना प्रमुख फसीहुद्दीन फितरत के आदेश पर डूरंड रेखा के पास पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर अफगान बलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई गुरुवार रात 12:00 बजे समाप्त हो गई। इस अभियान में पाकिस्तानी सेना के 55 सैनिक मारे गए। अफगान बलों ने कुछ शव और सैकड़ों हल्के और भारी हथियार भी जब्त किए और कई सैनिकों को जिंदा पकड़ा। बयान में आगे कहा गया कि अभियान के दौरान, अफगान बलों ने पाकिस्तान के 19 चेक पोस्ट पर कब्जा कर लिया। इस अभियान में 8 अफगान सैनिकों की मौत हुई और 11 अन्य घायल हुए। जबकि तोरखम में शरणार्थियों के लिए बने अस्थायी शिविर पर पाकिस्तान के हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 13 लोग घायल हुए। मंत्रालय ने कहा कि यह अभियान पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अफगान क्षेत्र पर किए गए हवाई हमलों के जवाब में चलाया गया था। पिछले सप्ताह पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक पिछले सप्ताह पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई -शेष पृष्ठ दो पर

जल्द शुरू होगा मिशन बसुंधरा 4, सभी छूटे हुए परिवारों को दिए जाएंगे पट्टे : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही मिशन बसुंधरा के चौथे चरण का शुभारंभ करेगी ताकि सभी छूटे हुए लाभार्थियों को शामिल किया जा सके, साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि असम में एनडीए की सीट-बंटवारे की व्यवस्था 10 मार्च तक अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। धीमाजी में मिशन बसुंधरा 3 के तहत भूमि पट्टा वितरण पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल ने भूमि प्रशासन में महत्वपूर्ण बदलाव किया है और राज्य भर में लाखों परिवारों को कानूनी अधिकार सुनिश्चित किए हैं। धीमाजी में मिशन बसुंधरा 3 शुरू हो चुका है और इस चरण के तहत धार्मिक संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों, संगीत विद्यालयों और शैक्षणिक केंद्रों को भूमि पट्टे वितरित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, गैर-कैडस्ट्रल गांवों में रहने वाले लोगों को कैडस्ट्रल गांवों के अंतर्गत लाया जा रहा है ताकि उन्हें भूमि अधिकार प्राप्त हो सकें, शर्मा ने कहा। उन्होंने बताया कि योजना के तीसरे चरण से लगभग दो लाख लोगों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि मिशन बसुंधरा 3 के तहत लगभग दो लाख लोगों को भूमि पट्टे दिए गए हैं। मिशन बसुंधरा 1, 2 और 3 को मिलाकर देखें तो सरकार ने लगभग 10 लाख परिवारों को भूमि पट्टे दिए हैं। यह असम सरकार की सबसे महत्वपूर्ण कल्याणकारी पहलों में से एक है। मुख्यमंत्री ने आगे घोषणा की कि कार्यक्रम का अगला चरण जल्द ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हम जल्द ही मिशन बसुंधरा 4 शुरू करेंगे ताकि सभी वंचित परिवारों को भूमि पट्टा मिल सके। हमारा लक्ष्य राज्य के प्रत्येक पात्र परिवार को भूमि अधिकार और सुरक्षा प्रदान करना है। राजनीतिक घटनाक्रमों पर बोलते हुए शर्मा ने कहा कि एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर चर्चाएं आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के साथ बातचीत लगभग अंतिम चरण में है। राभा जौठो संग्राम समिति के साथ भी बातचीत उन्नत स्तर पर है, और असम गण परिषद के साथ हम -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जुबीन गर्ग की मौत मामला

राज्य सरकार ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के लिए जोर दिया, पत्नी ने किया स्वागत

गुवाहाटी। गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले की सुनवाई में तेजी लाने के लिए गौहाटी उच्च न्यायालय से फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने का अनुरोध करने के असम सरकार के फैसले का गायक की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने शुक्रवार को स्वागत किया।

शर्मा ने गुरुवार को कहा था कि राज्य मंत्रिमंडल ने गौहाटी उच्च न्यायालय से फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला गर्ग परिवार के अनुरोध पर लिया गया, हालांकि सरकार मौजूदा अदालत की कार्यवाही से संतुष्ट है। गरिमा ने कहा कि परिवार, प्रशंसक और शुभचिंतक सभी चाहते हैं कि उनके पति की मौत के जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व है। जुबीन गर्ग का पिछले वर्ष 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैराकी के दौरान निधन हो गया था। वह वहां चौथे नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य को उभरती सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार करेंगी कमांडो बटालियान : मुख्यमंत्री

तिनसुकिया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को तिनसुकिया जिले के अंबिकापुर में छठे कमांडो बटालियन मुख्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा असम पुलिस कमांडो बटालियनों का विस्तार सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगा और राज्य को उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करेगा। बटालियन का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने असम के सुरक्षा ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। ये बटालियनें असम को उभरती सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार करेंगी। बदलते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए, हमने अपनी सेनाओं को मजबूत करने और तैयारियों को बढ़ाने का फैसला किया है,

शर्मा ने कहा। उन्होंने कहा कि 2021 में जब उन्होंने पदभार संभाला, तो सरकार ने राज्य भर में कई नए कमांडो बटालियन केंद्र स्थापित करने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि जब मैंने 2021 में मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला, तो हमने पांच नई कमांडो बटालियन स्थापित करने का निर्णय लिया। इससे पहले, असम में केवल एक कमांडो बटालियन थी जिसका मुख्यालय कामरूप जिले के नंदकाटा में था। शर्मा ने आगे कहा कि सुरक्षा और सीमा सुरक्षा में सुधार के लिए विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दंड से संपदा का आयोजन होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति ने जैसलमेर में *प्रचंड* हेलिकॉप्टर में भरी उड़ान

जैसलमेर (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (एलसीएच) *प्रचंड* में उड़ान भरी। वे प्रचंड में बतौर को-पायलट उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। राष्ट्रपति आज सुबह करीब 9:15 बजे वायुसेना -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में हर साल सड़क हादसों में करीब दो लाख मौतें : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार, 26 फरवरी को नई दिल्ली में सड़क सुरक्षा पर तीसरे नेशनल कॉन्क्लेव में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में हर साल सड़क हादसों की वजह से करीब पांच लाख एक्सीडेंट होते हैं और 1.80 लाख मौतें होती हैं। नितिन गडकरी ने इन हादसों को लेकर कहा कि लोगों के व्यवहार में बदलाव और ट्रैफिक कानूनों को लागू करना, सड़क सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा-अगप का जहां गठबंधन नहीं वहां मित्रतापूर्ण प्रतिस्पर्धा : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि आगामी चुनाव को लेकर भाजपा के पास स्पष्ट समाधान सूत्र है। जहां-जहां असम गण परिषद के साथ गठबंधन

संभव होगा, वहां पार्टी सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी और जहां सहमति नहीं बन पाएगी, वहां मित्रतापूर्ण प्रतिस्पर्धा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सहयोगी दलों के साथ सकारात्मक संवाद बनाए हुए है। जिन निर्वाचन क्षेत्रों में आपसी समझ बन जाएगी, वहां संयुक्त रूप से चुनाव लड़ा जाएगा, जबकि जिन सीटों पर सहमति नहीं बनेगी, -शेष पृष्ठ दो पर

वैश्विक दबाव के बीच भी भारत की रफ्तार बरकरार, जीडीपी वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत पर

नई दिल्ली। अमेरिकी शुल्क और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की विकास दर लगातार तीसरे वर्ष सात प्रतिशत से ऊपर रह सकती है, जो जी-20 देशों में सबसे अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) में जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत रहने और चौथी तिमाही के जनवरी-फरवरी माह की आर्थिक गतिविधियों को देखते हुए सांख्यिकीय विभाग ने जीडीपी के अपने पूर्वानुमान को बदल दिया है। विभाग ने पहले चालू वित्त वर्ष की विकास दर 7.4 प्रतिशत रहने का

अनुमान लगाया था जिसे बढ़ाकर अब 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है। पूर्व के दो वित्त वर्षों 2024-25 और 2023-24 में जीडीपी विकास दर 7.1 और 7.2 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार ने जीडीपी आंकड़ों के आधार वर्ष 2011-12 को बदलकर 2022-23 कर दिया है और नए आधार वर्ष पर ही शुक्रवार को तीसरी तिमाही के जीडीपी का आंकड़ा जारी किया गया। नए आंकड़ों में कई नए आइटम की गणना को शामिल किया गया है और डाटा संग्रह के दायरे को बढ़ा दिया गया है जिससे -शेष पृष्ठ दो पर

आप के जश्न पर सीबीआई का ब्रेक!

केजरीवाल की रिहाई के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची जांच एजेंसी

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक अर्जेंट अपील दायर की है, जिसमें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी स्कैम केस में बरी करने के निचली अदालत के शुक्रवार के आदेश को चुनौती दी गई है। इससे यह संकेत मिलता है कि आप के जीत के जश्न के बावजूद कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक बड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय बजट अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज नहीं, नीतिगत रोडमैप : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बजट का आकलन उसके प्रत्यक्ष लाभ या प्रभाव से नहीं बल्कि इसमें निहित नीतिगत प्रयासों से होना चाहिए। असल में राष्ट्रीय बजट कोई अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज नहीं होता है। यह एक नीतिगत रोडमैप होता है। ऐसे में बजट की प्रभावशीलता का आंकलन ठोस पैरामीटर्स पर किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री आज वीडियो कांफ्रेंसिंग से बजट बाद वेबिनार- *विकसित भारत के लिए टेक्नोलॉजी, सुधार और फाइनेंस* को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट को ढांचागत

सुविधाओं के विस्तार, धन प्रवाह, जीवन जीने में आसानी, पारदर्शिता के साथ शासन और लोगों के लिए नए-नए अवसर बनाने की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश रिफोर्म एक्सप्रेस पर सवार है। इस प्रवाह को बनाए रखने के लिए हमें नीतिगत मंशा और उससे हासिल उपलब्धि पर भी फोकस करना है। उन्होंने कहा कि हमें एआई, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स का व्यापक उपयोग कर पारदर्शिता, गति और जवाबदेही बढ़ानी ही होगी और साथ ही शिकायत निवारण प्रणालियों से प्रभाव की निरंतर -शेष पृष्ठ दो पर

पोखरण फायरिंग रेंज में वायु शक्ति, थर्रा उठा पाकिस्तानी सीमा से लगा इलाका

जैसलमेर (हि.स.)। भारतीय वायु सेना ने राजस्थान के जैसलमेर जिले में पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में *वायु शक्ति* अभ्यास के दौरान शुक्रवार को अपनी मारक क्षमता, सटीक प्रहार और एकीकृत युद्ध कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। राफेल लड़ाकू विमान ने सुपरसोनिक बूम के साथ शुरुआत की, जिससे पूरी रेंज थर्रा उठी। सुखोई-30 एमकेआई ने दुश्मन के रनवे और ठिकानों पर 44 बम गिराए। मिग-29 ने टैंक काफिले को नष्ट किया, जबकि जगुआर ने सुदर्शन फॉर्मेशन में लक्ष्य पर सटीक हमला किया। वायु सेना ने ऑपरेशन *सिंदूर* के बाद अपने पहले शक्ति प्रदर्शन में मिराज-2000, हॉक और अन्य विमानों से रॉकेट, लेजर गाइडेड बम और मिसाइल गिराकर दुश्मन के नकली ठिकानों जैसे रडार, बंकर,

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

एनडीए की सीट बंटवारे की बातचीत जारी, 10 मार्च की समय सीमा तय : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ एनडीए के भीतर सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने के लिए 10 मार्च की नई समय सीमा निर्धारित की है, और पहले के उन दावों को संशोधित किया है कि समझौता पहले ही तय हो चुका था। गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, शर्मा ने कहा कि प्रमुख सहयोगियों के साथ बातचीत अभी भी जारी है, जबकि भाजपा असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ भी बातचीत कर रही है। बीपीएफ के साथ हमारी बातचीत एक-दो दिन में पूरी हो जाएगी। अगप के साथ भी 9-10 मार्च तक बातचीत पूरी हो जाएगी। हमें उम्मीद है कि तब तक सब कुछ तय हो जाएगा और हम 10 मार्च तक गठबंधन की घोषणा कर सकेंगे, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राभा हासोंग जौथा संग्राम समिति (आरएचजेएसएस) के साथ सीट बंटवारे की व्यवस्था पहले ही संपन्न हो चुकी है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अन्य साझेदारों के साथ बातचीत में शुरू में अनुमानित समय से अधिक समय लग गया है, जिसका आंशिक कारण राज्यसभा चुनाव और सावधानीपूर्वक परामर्श की आवश्यकता है। इससे पहले, 7 जनवरी को उन्होंने कहा था कि अगप और छोटी क्षेत्रीय पार्टियों के साथ समझौता 15 फरवरी तक औपचारिक रूप से पूरा कर लिया जाएगा। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने बातचीत को समाप्त करने के लिए 15 जनवरी की तारीख तय की थी। मौजूदा व्यवस्था के तहत, भाजपा, अगप, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बीपीएफ के पास विधानसभा सीटें हैं, जबकि आरएचजेएसएस और जनशक्ति पार्टी एनडीए के घटक दल हैं जिनके पास विधायक नहीं हैं। इस बीच, असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने स्पष्ट किया है कि पार्टी ने अभी तक विधानसभा चुनावों के लिए, किसी भी उम्मीदवार को अंतिम रूप नहीं दिया है और इस बात पर जोर दिया है कि सभी निर्णय पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद ही लिए जाएंगे। सैकिया ने आगे कहा कि उम्मीदवारों का चयन पार्टी के मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर किया जाएगा, जिसमें व्यक्तिगत पसंद के बजाय संगठनात्मक शक्ति, जनस्वीकृति और जीतने की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी नए और अनुभवी नेताओं में कोई भेदभाव नहीं करती; योग्यता, प्रतिबद्धता और जमीनी स्तर पर प्रदर्शन ही नामांकन का मार्गदर्शन करेंगे।

पलवल में पुलिस चौकी पर हमला, तीन गिरफ्तार

पलवल (हिंस)। जिले के गदपुरी थाना क्षेत्र स्थित धतीर पुलिस चौकी के बाहर पुलिस टीम पर हमला कर सरकारी कार्य में बाधा डालने और जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोपियों ने थाना प्रभारी की सरकारी गाड़ी पर पथराव कर दिया, जिसमें एक होमगार्ड और एक एसपीओ घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया है। गदपुरी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 26 फरवरी को धतीर पुलिस चौकी के गेट पर जाहिद नामक युवक अचानक पहुंचा और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज करने लगा। जब एसआई राजेंद्र सिंह और होमगार्ड धीरज उसे शांत कराने पहुंचे तो आरोपी ने अचानक पत्थर उठाकर हमला कर दिया। इसी दौरान थाना प्रभारी कुलदीप सिंह परीक्षा ड्यूटी की जांच कर चौकी पहुंचे तो आरोपी ने उनकी सरकारी गाड़ी पर भी ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। इस हमले में होमगार्ड धीरज और एसपीओ राजपाल घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस जब आरोपी जाहिद को काबू करने लगी तो रसीदन और असरीदा नामक दो महिलाएं मौके पर पहुंच गईं और आरोपी को छुड़ाने का प्रयास करने लगीं। दोनों महिलाओं ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की और जान से मारने की धमकी दी।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले एससी कोलेजियम का फैसला

पद संभालने से दो महीने पहले शिफ्ट होंगे भावी मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने एक नीतिगत निर्णय लिया है। जिसके अनुसार जिस जज को किसी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव हो, उनका तबादला पद रिक्त होने से काफी पहले, बेहतर होगा कि रिक्ति के लगभग दो महीने पूर्व ही कर दिया जाए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले कोलेजियम ने कहा कि यह निर्णय इसलिए, लिया गया है ताकि संबंधित जज इस बीच उस हाई कोर्ट के कामकाज से अच्छी तरह परिचित हो सकें और निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति पर मुख्य न्यायाधीश के पद का कार्यभार संभाल सकें। शीर्ष न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि इस नीतिगत निर्णय के बाद, कोलेजियम ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की न्यायाधीश, जस्टिस लिसा गिल को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में स्थानांतरित करने और रिक्ति उत्पन्न होने की तिथि से उन्हें उस हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश करने का प्रस्ताव किया है। सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम ने केरल हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी को मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की भी सिफारिश की है, जो पांच मार्च, 2026 को उस हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति के बाद प्रभावी होगा।

फागुन की आहट के साथ स्वदेशी परिधानों की बढ़ी मांग

सुपौल (हिंस)। फागुन की आहट के साथ शहर के बाजारों में उल्लास का रंग चढ़ने लगा है। इस बार की होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि स्वदेशी हुनर की झलक भी पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *मेक इन इंडिया* और *वोकल फॉर लोकल* के आह्वान का असर स्थानीय बाजारों में साफ दिखाई दे रहा है। ग्राहक स्वदेशी वस्त्रों को प्राथमिकता दे रहे हैं। परंपरागत रूप से होली में सफेद कुर्ता-पायजामा, धोती-कुर्ता और सूती साड़ी पहनने का रिवाज रहा है, जो आज भी कायम है। हालांकि गांवों के युवा भी अब शहरों की तरह स्टाइलिश और डिजाइनर कपड़ों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इस बार बाजार में पारंपरिक परिधानों के साथ-साथ होली थीम वाले प्रिंटेड टी-शर्ट, डिजाइनर कुर्ते और इंडो-वेस्टर्न ड्रेस की मांग भी बढ़ी है। दुकानों में लिनन, लेटेस्ट रेंज की कुर्तियां, डिजाइनर सूट, सेमी गरारा लुक वाले सूट, मैक्सी गाउन, नेट, शिफॉन और जॉर्जेट के कपड़े सजे हैं। युवतियों के बीच सलमा-सितारा जड़ी कुर्तियां और प्लाजो पहली पसंद बन रही हैं, वहीं युवाओं में खादी जैकेट और कुर्ता-पायजामा का क्रेज बढ़ा है। शनिचर बाजार में खरीदारी कर रहीं प्रियंका और सीमा कुमारी ने बताया कि उन्होंने 600 रुपए की दर से कॉटन साड़ी खरीदी है। मेन रोड पर खरीदारी कर रहे प्रियांशु कुमार ने बताया कि होली खेलने के लिए 210 रुपए का प्रिंटेड टी-शर्ट और शाम के लिए 600 रुपए का डिजाइनर सफेद कुर्ता-पायजामा लिया है।

गांजा समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के गोरचूक पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके में चलाएं गए अभियान के दौरान गांजा समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान दुलाल मियां (28, पुठिमारी) और सैफुल अली (26, बरपेटा) के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से 1.540 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। वहीं पुलिस ने गांजा के अलावा दो मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस की धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

बंगाल एसआईआर में तैनात अधिकारी पहुंचे ओडिशा, बच्चा चोर समझकर लोगों ने पीटा, 72 गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के लिए तैनात दो अधिकारी गलती से पड़ोसी राज्य ओडिशा के बालासोर जिले के एक गांव में घुस गए थे। वहां के स्थानीय लोगों ने उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह के सदस्य होने के संदेह में हमला कर दिया था। यह जानकारी शुक्रवार को पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को उस समय की है, जब दो अधिकारी बालासोर जिले के रायबानिया पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में दाखिल हुए, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है। पुलिस के अनुसार, दोनों अधिकारियों को एसआईआर के काम के लिए सूक्ष्म पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। उन्हें पश्चिम बंगाल के नयाग्राम ब्लॉक के एक गांव का दौरा करना था, लेकिन वे गलती से ओडिशा के सीमावर्ती गांव में प्रवेश कर गए क्योंकि उनकी किराए की ऑटो-रिक्शा उस सटीक गांव का पता नहीं लगा पाई जहां उन्हें जाना था। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों को उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह का सदस्य होने का संदेह था। इस वजह से उन्होंने उन पर हमला किया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उन्हें अपना काम करने से रोका और पुलिस दल के साथ मारपीट भी की। कुछ देर बाद पुलिस ने दोनों अधिकारियों को भीड़ से छुड़ा लिया। बालासोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) निरंजन बेहरा ने शुक्रवार को बताया कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं। अब तक 72 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि घटना में शामिल अन्य लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। रायबानिया पुलिस स्टेशन की प्रभारी इंस्पेक्टर चंपाबती सोरेन ने बताया कि एसआईआर के दोनों अधिकारियों को रायबानिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसी दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

जर्मनी प्रवास से लौटे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जर्मनी के सफल एवं उद्देश्यपूर्ण प्रवास के उपरांत आज भारत लौट आए। नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर समर्थकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। उपमुख्यमंत्री के लखनऊ के कार्यालय से दी जानकारी के अनुसार जर्मनी प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग जगत के अग्रणी लीडर्स, निवेशकों एवं औद्योगिक प्रतिनिधियों के साथ सार्थक एवं परिणामोन्मुखी संवाद किया।

पूसीरे ने समन्वित अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर की रक्षा करने और सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इंजीनयरिंग विभाग के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित कर फरवरी माह के दौरान जोन के क्षेत्राधिकार के अधीन कई स्थानों पर दो दिवसीय व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। यह पहल पूसीरे की रेलवे भूमि की रक्षा करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर सुरक्षा को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि पश्चिम बंगाल में यह अभियान जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा और चालसा रेलवे स्टेशनों के मध्य सेक्शन में चलाया गया। साथ ही अलीपुरद्वार जिले में दलगांव रेलवे स्टेशन के यार्ड क्षेत्र में भी यह अभियान चलाया गया। इसी तरह, असम में अतिक्रमण हटाओ अभियान जोरहाट जिला अंतर्गत मरियानी रेलवे स्टेशन के निकट और कामरूप (मेट्रो) जिला के गुवाहाटी एवं कामाख्या रेलवे स्टेशनों के बीच सेक्शन पर चलाया गया। कुल मिलाकर, अभियानों के दौरान 37 अनधिकृत निर्माणों को ध्वस्त किया गया।

लगातार दूसरे दिन मिली बम की धमकी, कई जिलों के डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय खाली कराए गए

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी बम विस्फोट की धमकी वाले ई-मेल भेजे जाने से दहशत फैल गई। धमकी भरे ई-मेल मुख्य रूप से डाकघरों और उनसे जुड़े पासपोर्ट सेवा केंद्रों को भेजे गए। एहतियातन संबंधित परिसरों को तत्काल खाली करा लिया गया। हालांकि तलाशी अभियान के दौरान कहीं से भी कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। हुगली के हेड पोस्ट ऑफिस को शुक्रवार दोपहर धमकी भरा ई-मेल मिला। इसी परिसर में पासपोर्ट सेवा केंद्र भी स्थित है। इसके कुछ ही देर बाद श्रीरामपुर के महकमा डाकघर को भी इसी तरह का ई-मेल प्राप्त हुआ। प्रशासन ने तत्काल सेवाएं बंद कर भवन खाली कराया, जिससे कार्यालय में मौजूद लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा। मौके पर पुलिस और बम निरोधक दस्ता पहुंचकर जांच में जुट गया। इसी क्रम में पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल पोस्ट ऑफिस, बांकुड़ा हेड पोस्ट ऑफिस और हावड़ा के मुख्य डाकघर को भी धमकी भरे संदेश मिले। हावड़ा में डाकघर के साथ न्यू कलेक्टरेट बिल्डिंग में भी बम की अफवाह फैल गई, जहां जिलाधिकारी कार्यालय सहित जिला प्रशासन के कई महत्वपूर्ण विभाग स्थित हैं। एहतियातन पूरे परिसर को खाली कराकर सघन तलाशी ली गई। धमकी भरे ई-मेल में दावा किया गया था कि सायनाइड गैस से भरा आरडीएक्स बम दोपहर 12:10 बजे पासपोर्ट कार्यालय में विस्फोट करेगा। 11 बजे के भीतर सभी को बाहर निकाल लें। गुरुवार को पुलिस-प्रशासन की सक्रियता की परीक्षा ली गई थी, आज यह परीक्षा नहीं होगी। ई-मेल की सूचना मिलते ही कर्मचारियों और आम लोगों में भय का माहौल फैल गया। हालांकि निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी किसी प्रकार का विस्फोट नहीं हुआ। पुलिस ने स्निफर डॉग और बम निरोधक दस्ते की मदद से सभी स्थानों पर गहन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला फर्जी धमकी का प्रतीत होता है, फिर भी सुरक्षा में कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है। उल्लेखनीय है कि, मंगलवार से लगातार चार दिनों से राज्य के विभिन्न जिलों में बम धमकी के ई-मेल भेजे जा रहे हैं। दो दिन पहले कोलकाता के कई अदालतों को उड़ाने की धमकी दी गई थी। बुधवार को अन्य जिलों की अदालतों को निशाना बनाया गया। हर बार परिसर खाली कराकर तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कोलकाता के पासपोर्ट कार्यालय को भी गुरुवार इसी तरह का ई-मेल मिला था।

पृष्ठ एक का शेष

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में ...

इलाकों पर एयर स्ट्राइक किए जिसमें अफगानिस्तान शासन के मुताबिक महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 18 लोग मारे गए। हालांकि पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया था। पाकिस्तान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान में हाल ही में हुए आत्मघाती बम धमाकों के बाद किए गए थे।

जल्द शुरू होगा मिशन...

10 मार्च तक व्यवस्था को अंतिम रूप देने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन उम्मीदवारों की घोषणा करने से पहले जमीनी स्तर से राजनीतिक प्रतिक्रिया लेगा। उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने से पहले हम विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी ताकत का आकलन करेंगे और जमीनी स्तर से प्रतिक्रिया लेंगे, शर्मा ने कहा। सौहार्दपूर्ण चुनावों की संभावना पर मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि गठबंधन के सहयोगी कुछ सीटों पर लचीला दृष्टिकोण अपना सकते हैं। अगर भाजपा और अगप किसी समझौते पर पहुंच जाते हैं, तो यह सभी के लिए फायदेमंद होगा। हालांकि, कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में, अगर कोई भी पार्टी सीट छोड़ने को तैयार नहीं है, तो हम सौहार्दपूर्ण चुनाव पर विचार कर सकते हैं। अगप का संगठन मजबूत है, और अगर कुछ नेताओं को टिकट नहीं मिलता है, तो वे निराश हो सकते हैं। ऐसे मामलों में, हमने कहा है कि अगर गठबंधन के सहयोगी अपने कार्यकर्ताओं को मनाने में असमर्थ रहते हैं, तो भाजपा इसे नकारात्मक रूप से नहीं लेगी और सौहार्दपूर्ण चुनाव की अनुमति दे सकती है, उन्होंने आगे कहा।

राज्य सरकार ने फास्ट ...

में भाग लेने गए थे। असम पुलिस की सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मामले की जांच कर स्थानीय अदालत में सात आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। कैबिनेट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए गरिमा ने संवाददाताओं से कहा कि हम चाहते हैं कि मामला पूरी मजबूती से आगे बढ़े और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। हमें उम्मीद है कि न्यायाधीश इसे विशेष मामला मानेंगे। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि किसी भी आरोपी को जमानत मिले। जुबीन गर्ग से प्रेम करने वाला कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं चाहेगा। यह बयान मुख्यमंत्री के उस दावे के संदर्भ में माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक मीडिया समूह और कांग्रेस द्वारा न्यायाधीश को बदलवाने और चुनाव से पहले आरोपियों को जमानत दिलाने की *साजिश* रची जा रही है। गरिमा ने कहा कि एसआईटी की *दोषरहित जांच* में दोषियों की पहचान कर आरोपपत्र दायर किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी कहा था कि यह घटना सुनियोजित थी और एसआईटी ने भी यही कहा है। अब अदालत में इसे साबित करना है, इसी कारण हम विशेष अदालत की मांग कर रहे थे। इससे पहले 16 फरवरी को गरिमा और विशेष लोक अभियोजक जियाउल कमर ने कामरूप महानगर जिला एवं सत्र अदालत में मामले की धीमी गति पर असंतोष जताया था, जहां अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। मामले में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंता, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्य शेखर ज्योति गोस्वामी तथा अमृत प्रभा महंता पर हत्या का आरोप है। वहीं, उनके चचेरे भाई और असम पुलिस के निलंबित डीएसपी संदीपन गर्ग पर गैर-इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है। गर्ग के दो निजी सुरक्षा अधिकारी नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य भी जेल में हैं, जिन पर आपराधिक साजिश और सौंपे गए धन या संपत्ति के दुरुपयोग का आरोप है।

राज्य को उभरती ...

जिलों में रणनीतिक रूप से नई बटालियनें स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने हैलाकांडी के धोलचेरा, शिवसागर के गेलेकी, बिश्वनाथ के पाभोई और कार्बी आंग्लांग के डोलडोली में इन बटालियनों की स्थापना करने का निर्णय लिया था। पिछले साल 4 अक्तूबर को हमने पाभोई में पांचवीं बटालियन की शुरुआत की थी और आज हम अंबिकापुर में छठी बटालियन का उद्घाटन कर रहे हैं। इस परियोजना को एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बटालियन परिसर को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि यह बटालियन 331 बीघा में फैली हुई है और इसमें लगभग 400 कमांडो तैनात किए जा सकेंगे। इसमें आधुनिक बैरक, 149 आवासीय क्वार्टर, परेड ग्राउंड, ड्रिल सुविधाएं, 10 बिस्तरों वाला चिकित्सा केंद्र और एक प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। परिसर में नामघर, एटीएम और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। उन्होंने आगे बताया कि दीफू में कमांडो बटालियन उद्घाटन के लिए तैयार है, जबकि अन्य बटालियनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सादिया में तैनात बटालियन असम और अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा को मजबूत करेगी। इन पहलों से क्षेत्र में बेहतर तैयारी और स्थिरता सुनिश्चित होगी, शर्मा ने कहा।

भाजपा-अगप का ...

वहां आपसी सौहार्द बनाए रखते हुए मुकाबला किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राभा संयुक्त मंच और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के साथ गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया गया है। साथ ही असम गण परिषद के साथ सीट बंटवारे को लेकर 10 मार्च से पहले समझौता होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सभी सहयोगी दल मिलकर राज्य में एनडीए को और मजबूत करेंगे।

वैश्विक दबाव के ...

आंकड़ों की प्रमाणिकता और बढ़ गई है। इससे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) जैसी एजेंसियों को भारत के आंकड़ों के मूल्यांकन में आसानी होगी। शुक्रवार को जारी जीडीपी आंकड़ों में तीसरी तिमाही में विकास दर 7.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया। दूसरी तिमाही में जीडीपी विकास दर 8.4 प्रतिशत तो पहली तिमाही में 6.7 प्रतिशत थी। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में 7.6 प्रतिशत की विकास दर हासिल करने के लिए चौथी तिमाही में जीडीपी विकास की दर 7.3 प्रतिशत या इससे अधिक होनी चाहिए। पिछले दो महीनों के जो आर्थिक सूचकांक है, उससे स्पष्ट है कि हम यह दर प्राप्त कर लेंगे। तीसरी तिमाही में उद्योग व सेवा दोनों सेक्टरों का प्रदर्शन शानदार रहा।

केजरीवाल की रिहाई ...

फैसला सुनाया, जिसमें सीबीआई की चार्जशीट पर ध्यान देने से इनकार कर दिया गया और केजरीवाल, सिसोदिया और बाकी सह-आरोपियों को बरी कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि साजिश के दावों में कोई सबूत नहीं था और वे कानूनी तौर पर सही नहीं थे। आप ने इसे सच की *ऐतिहासिक* जीत बताया, और नेताओं ने *सत्यमेव जयते* का नारा लगाते हुए जांच को राजनीति से प्रेरित बताया। अधिकारियों ने कन्फर्म किया कि सीबीआई का हाई कोर्ट में तुरंत कदम उठाना, अनसुलझे सबूतों के मुद्दों को दिखाता है, जिसमें आरोपियों द्वारा कथित तौर पर फोन और सिम नष्ट करना भी शामिल है। हाल ही में क्लीन चिट मिलने के बाद, केजरीवाल ने एक जोरदार प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर नकली शराब घोटाले के जरिए आप को खत्म करने की साजिश करने का आरोप लगाया, जिसने उनकी मेहनत से कमाई ईमानदारी को खराब कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरी इज्जत पर हमला किया गया। उन्होंने संस्थागत दबावों के बीच जज की हिम्मत की तारीफ की, और ईडी केस से बरी करने के लिए कोर्ट में अर्जी देने की कसम खाई। उन्होंने मोदी को दिल्ली चुनाव में चुनौती दी—अगर भाजपा 10+ सीटें जीतती है, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा—साथ ही प्रदूषण और सड़कों जैसी सरकारी दिक्कतों की आलोचना की, और फैसले को भगवान का इंसाफ बताया।

राष्ट्रीय बजट अल्पकालिक...

निगरानी भी करनी होगी। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को सरकार के ढांचागत सुविधाओं में निवेश का लभा उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में ढांचागत सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट 2 लाख करोड़ से बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। इतने बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश निजी क्षेत्र के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि उद्योग और वित्तीय संस्थान भी नई ऊर्जा के साथ आगे आएं। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि परियोजनाओं की मंजूरी और मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूत करना जरूरी है, ताकि समय और पैसा बर्बाद न हो। लागत-लाभ और पूरी अवधि की लागत पर ध्यान देना चाहिए। बॉन्ड बाजार में सुधार कर दीर्घकालीन विकास, स्थिरता और विदेशी निवेश बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए भरोसा, तरलता, नए साधन और बेहतर जोखिम प्रबंधन जरूरी हैं। उन्होंने सभी हितधारकों से बजट के नए अवसरों का लाभ उठाने और मिलकर बेहतर परिणाम देने की अपील की।

पोखरण फायरिंग रेंज ...

एम्यूनिशन डंप, हवाई पट्टी और पेट्रोल पंप को ध्वस्त किया। कुल 18 नकली लक्ष्यों को बर्बाद किया गया। हेलीकॉप्टरों में अपाचे, प्रचंड (एलसीएच), चिनूक, एमआई-17 और चेतक शामिल रहे। चिनूक ने एम-777 होवित्जर तोप पहुंचाई, जबकि गरुड़ कमांडो ने हेलीकॉप्टर से ड्रॉप कर आतंकवादी ठिकाने मुक्त करवाया। सी-130जे हरक्यूलिस ने रात में असॉल्ट लैंडिंग की और कमांडो ड्रॉप किया। सी-295 ने भी असॉल्ट लैंडिंग दिखाई। पाकिस्तान के साथ हवाई संघर्ष में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 से दुश्मन के हमलों को नाकाम करने का प्रदर्शन आज यहां दोहराया गया। स्वदेशी हथियारों जैसे आकाश और समर मिसाइल ने सतह से हवा में मार करने वाले लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट किया। परिवहन विमानों में सी-17, सी-130जे, सी-295 आदि शामिल थे। इस बार का मुख्य आकर्षण पहली बार वायु शक्ति में शामिल भव्य ड्रोन शो रहा। आसमान में ड्रोन के जरिए भारत का नक्शा, आतिशबाजी, एयरफोर्स का प्रतीक विमान दिखाया गया। इस ड्रोन शो में पाकिस्तान के साथ 1965 के सरगोधा युद्ध में निर्मलजीत सिंह की बहादुरी, कारगिल में टाइगर हिल बमबारी, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को दर्शाया गया। पोखरण में शाम 5.10 बजे से 7.45 तक वायु सेना ने दिन की रोशनी में, रेगिस्तान के धूल भरे वातावरण में और रात के अंधेरे में अपनी शक्तिशाली क्षमता का प्रदर्शन किया। कुल 2 घंटे 35 मिनट के इस *वायु शक्ति* में वायु सेना के 77 फाइटर जेट, 43 हेलीकॉप्टर और 8 परिवहन विमानों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा दूर से संचालित विमानों ने एरियल टारगेट, जमीन से हवा में मार करने वाले हथियारों का प्रदर्शन करके ऑपरेशन सिंदूर की झलक दिखाई। लड़ाकू विमानों में राफेल, मिराज-2000, स्वदेशी एयरक्राफ्ट तेजस, सुखोई-30, मिग-29, और जगुआर और हेलीकाप्टरों में अपाचे, एमआई-17 वीआई, चिनूक, एमआई-17 वी5, एलसीएच *प्रचंड* और एएलएच *ध्रुव* इस हवाई अभ्यास का हिस्सा बने। वायु शक्ति के दौरान कुल 23 लक्ष्यों पर सटीक हमलों से पाकिस्तानी सीमा से लगी जैसलमेर की धरती थर्रा उठी, जिनमें जमीन से हवा में, हवा से जमीन में, हवा से हवा में या जमीन से जमीन पर हमले किए गए। इन हमलों में 277 हथियारों के जरिये कुल 11 हजार 835 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। यह सभी हमले पोखरण रेंज के 3 किलोमीटर के दायरे में किए गए। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा पार इस्तेमाल किए गए लंबी दूरी के हथियारों का प्रदर्शन सुरक्षा के नजरिये से पोखरण में नहीं हुआ, लेकिन सीमित दूरी के हथियारों से वायु सेना ने अपनी मारक क्षमता दिखाई। हालिया तकनीकी घटना के कारण स्वदेशी तेजस मार्क-1 वायु शक्ति अभ्यास में शामिल नहीं हुआ, क्योंकि वायु सेना तेजस बेड़े की सुरक्षा जांच कर रही है।

राष्ट्रपति ने जैसलमेर ...

स्टेशन पहुंचीं, जहां उन्हें हेलिकॉप्टर की तकनीकी जानकारी दी गई। इसके बाद वे कॉकपिट में बैठीं और सुबह लगभग 10:15 बजे ग्रुप कैप्टन एन.एस. बहुआ के साथ उड़ान भरी। करीब 25 मिनट की उड़ान के दौरान उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों और पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का हवाई निरीक्षण किया। उड़ान के दौरान उन्होंने कॉकपिट से सैल्यूट भी किया। राष्ट्रपति मुर्मु इससे पहले लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई और राफेल में उड़ान भरने वाली पहली राष्ट्रपति रह चुकी हैं। जैसलमेर के प्रसिद्ध जैसलमेर किला (सोनार दुर्ग) के ऊपर से उड़ान भरते हुए राष्ट्रपति ने रेडियो संदेश के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि- मैं आज प्रचंड हेलिकॉप्टर में उड़ान भर रही हूं। यह आत्मनिर्भरता का प्रबल प्रतीक है। मैं देश के वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद देती हूं। मेरा सभी को प्यार भरा नमस्कार। जय हिंद, जय भारत। पाकिस्तान सीमा के निकट पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार शाम एयरफोर्स का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास *वायु शक्ति-2026* आयोजित होगा, जिसमें सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर के रूप में राष्ट्रपति मुर्मु की उपस्थिति रहेगी। उल्लेखनीय है कि तीन वर्ष पूर्व नवरात्रि के अष्टमी दिवस पर प्रचंड हेलिकॉप्टर को वायुसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। उस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इसमें उड़ान भरी थी और इसे भारत की आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता का प्रतीक बताया था।

भारत में हर साल सड़क ...

को बेहतर बनाने में देश की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया, देश में ओवरस्पीडिंग से हर साल करीब 1,20,000 मौतें होती हैं, जबकि हेलमेट न पहनने से 54,000 से ज्यादा मौतें होती हैं और सीट बेल्ट न पहनने से 14,000 से ज्यादा मौतें होती हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि सड़क हादसों में हर साल 18 साल से कम उम्र के बच्चों की 10,000 से ज्यादा जानें जाती हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि नशे में गाड़ी चलाना, गलत साइड से गाड़ी चलाना और मोबाइल फोन का इस्तेमाल भी सड़क हादसों में लोगों की जान जाने के सबसे बड़े कारण हैं। नितिन गडकरी ने बताया, सड़क हादसों से भारत की जीडीपी को करीब तीन फीसद के बराबर आर्थिक नुकसान होता है और ऐसी स्थिति पॉलिसी बनाने वालों के लिए एक बुनियादी चुनौती होती है। नितिन गडकरी ने गाड़ी में मिलने वाली सेफ्टी को लेकर कहा कि भारत के ऑटोमोबाइल स्टैंडर्ड को ग्लोबल नॉर्म्स के हिसाब से बनाया जा रहा है। गाड़ी में अब छह एयरबैग जरूरी हैं। भारी गाड़ियों के लिए नई टेक्नोलॉजी भी लाई जा रही हैं जो इमरजेंसी में ऑटोमैटिक ब्रेक लगा सकती हैं।

जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से प्रतिदिन एक लाख लोगों तक पहुंचने का भाजपा का लक्ष्य

गुवाहाटी (हिंस)। असम के प्रत्येक क्षेत्र में आम जनता से सीधा संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी राज्य इकाई की ओर से *जन आशीर्वाद यात्रा* प्रारंभ की जाएगी। यह यात्रा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया के नेतृत्व में 28 फरवरी से ढेकियाजुली विधानसभा क्षेत्र स्थित गुप्तेश्वर मंदिर से शुरू होगी। पार्टी की योजना के अनुसार इस यात्रा के माध्यम से प्रतिदिन एक लाख लोगों से संपर्क साधने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के प्रथम चरण की अवधि आठ दिनों की घोषित की गई है, जो 9 मार्च तक जारी रहेगा। यात्रा के जरिए केंद्र एवं राज्य सरकार

की विकासात्मक तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाएगा और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए असम की जनता से आशीर्वाद भी प्राप्तकिया जाएगा। आज भाजपा के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता जयंत कुमार गोस्वामी ने कहा कि जहां भाजपा संगठनात्मक शक्ति के साथ एकजुट होकर चुनावी अभियान में जुटी है, वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल गठबंधन के मुद्दों को लेकर आपसी मतभेदों में उलझे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता अखिल गोगोई रिसॉर्ट में रहकर वीडियो बना रहे हैं, लुरिनज्योति गोगोई ने कांग्रेस को बिस्तर पर लेटे-लेटे निर्णय लेने की सलाह दी है और गौरव गोगोई द्वारा कांग्रेस कार्यालय में इफ्तार आयोजन किए जाने की खबरें सामने आई हैं। कांग्रेस की *समय परिवर्तन यात्रा* की आलोचना करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि वास्तविकता में इस यात्रा से कांग्रेस और अधिक कमजोर तथा सीमित होगी।

सेवानिवृत्त जिला आयुक्त के बेटे समेत छह गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की दिसपुर पुलिस ने सेवानिवृत्त जिला आयुक्त के बेटे समेत छह युवकों को पिस्तौल समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सेवानिवृत्त आयुक्त विभाश दास के बेटे वादिक मोदी पिस्तौल लेकर गणेशगुरी इलाके में सड़क पर अपने अन्य साथियों के साथ तांडव मचाते देखा गया। शिकायत मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने पिस्तौल समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वादिक मोदी, दिगंत हालोई, वसीम अख्तर, अमित भैमिक, जीतू बर्मन और तनीषा शर्मा के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में आर्म्ड एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

एनएचएम असम और क्षेत्रीय मीडिया हाउसों ने टीबी-मुक्त भारत के लिए जताई एकजुटता

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) मुक्त भारत अभियान के आह्वान के आधार पर शुक्रवार को गुवाहाटी के एनएचएम कांफ्रेंस हॉल में एक दिवसीय मीडिया संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मीडिया हाउसों (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया ताकि टीबी-मुक्त भारत की दिशा में सामाजिक स्तर पर कार्रवाई को बढ़ावा दिया जा सके। असम के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. उमेश फांगचो ने टीबी मुक्त भारत अभियान में मीडिया के महत्व पर जोर दिया। टीबी से संबंधित कलंक को कम करने, सही संदेश फैलाने और राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत उपलब्ध विभिन्न योजनाओं के बारे में समुदायों को जागरूक करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। उन्होंने मीडिया हाउस और संबंधित विभागों से प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों को जागरूक करने, पोषण, मनोवैज्ञानिक, पेशेवर और जीविका समर्थन प्रदान करने का आग्रह किया। मीडिया से बातचीत में असम एनएचएम के मिशन डायरेक्टर डॉ. लक्ष्मणन एस ने असम में चल रहे टीबी

मुक्त भारत अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने टीबी के उपचार के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली मुफ्त सेवाओं की जानकारी फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि माइक्रोस्कोपी की तुलना में प्रारंभिक एनएएटी टेस्ट में प्रगति हो रही है, जिससे रिपोर्ट समय कम होगा और टीबी का सही निदान किया जा सकेगा। बैठक में विभिन्न क्षेत्रीय मीडिया हाउसों के पत्रकार, एनएचएम असम के अधिकारी, राज्य क्षय रोग अधिकारी, विकास भागीदार सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन *नि-क्षय मित्रों* के लिए आह्वान के साथ हुआ- ऐसे व्यक्ति या संगठन जो टीबी मरीजों को अपनाने और अतिरिक्त पोषण और मनोवैज्ञानिक समर्थन प्रदान करने के इच्छुक हों।

फकीराग्राम में एसबीआई की नई शाखा का शुभारंभ

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। फकीराग्राम वार्ड संख्या 1, टोटपाड़ा में आज स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) की नई शाखा का भव्य शुभारंभ किया गया। यह फकीराग्राम क्षेत्र की पहली एसबीआई शाखा है, जिसके खुलने से स्थानीय लोगों को बैंकिंग सेवाओं के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। शाखा का उद्घाटन मुंबई से एसबीआई के चेयरमैन द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन ने अपने संबोधन में कहा कि एसबीआई का उद्देश्य देश के हर कोने तक आधुनिक एवं सुलभ बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाना है और फकीराग्राम में इस नई शाखा की स्थापना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नई शाखा में ग्राहकों को बचत खाता, चालू खाता, ऋण सुविधा, एटीएम सेवा, डिजिटल बैंकिंग, बीमा तथा अन्य वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे क्षेत्र के व्यापारियों, कर्मचारियों, किसानों और विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। इस शाखा के प्रथम शाखा प्रबंधक के रूप में अमन कुमार सिंह ने कार्यभार संभाला है। उन्होंने कहा कि वे ग्राहकों को बेहतर और पारदर्शी बैंकिंग सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा बैंक को क्षेत्र की प्रगति का सशक्त माध्यम बनाने का प्रयास करेंगे।फकीराग्राम में एसबीआई की इस नई शाखा के खुलने से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है और इसे स्थानीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

किसान उत्पादक संगठनों को आर्थिक अनुदान किसानों के लिए क्रांतिकारी कदम : बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। किसानों के विकास के क्षेत्र में सरकार द्वारा किसान उत्पादक संगठनों को प्रदान किया जाने वाला आर्थिक अनुदान एक क्रांतिकारी कदम है। यह टिप्पणी भारतीय किसान संघ, असम के संगठनिक सचिव कृष्णकांत बोरा ने शुक्रवार को दिसपुर प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री उत्कर्ष योजना के तहत असम सरकार ने असम के 254 किसानों की उत्पादक संस्थाओं को प्रारंभिक पूंजी (सीड मनी) के रूप में आर्थिक अनुदान प्रदान करके एक क्रांतिकारी कदम उठाया, इसके लिए भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री और असम सरकार की सराहना की है। कई किसान उत्पादक संस्थाएं भले ही सभी सुविधाओं से लैस थीं, लेकिन केवल प्रारंभिक पूंजी के अभाव में आगे बढ़ नहीं पा रही थीं, तथा कई बार किसानों की अपनी पहल होने के बावजूद कच्चा माल खरीदने के लिए पूंजी के अभाव में उद्योग स्थापित होने के बाद भी अव्यवस्थित स्थिति में थे। इसलिए असम सरकार की इस आर्थिक सहायता से किसानों को पर्याप्त सहारा मिलेगा, यह उम्मीद व्यक्त की जाती है। बोरा ने कहा कि खासकर महिला किसान उत्पादक संगठन और अंदरूनी क्षेत्रों के उपांत किसान जुड़े किसान उत्पादक संगठनों के लिए यह धन राशि मृत संजीवनी का काम करेगी। भारतीय किसान संघ पिछले 10 वर्षों से असम में किसान उत्पादक संगठन बनाने, किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के माध्यम से किसान उत्पादक संगठन की आवश्यकता को समझाने, सरकार और व्यावसायिक क्षेत्र में संपर्क स्थापित करने आदि कामों में निरंतर

लगे हुए हैं, जिसके फलस्वरूप अब तक असम के लगभग सभी जिलों में भारतीय किसान संघ की सक्रिय सहयोग और मार्गदर्शन से सैंकड़ों किसान उत्पादक संगठन उभर कर सामने आए हैं। इसी तरह सरकार द्वारा प्रदान किए गए अनुदान का उपयोग सुनिश्चित अवधि में किसान उत्पादक संस्थाओं द्वारा प्रभावी रूप से किए जाने और उसका लाभ उठाने के लिए भारतीय किसान संघ ने असम सरकार से कुछ मांगों को पूरा करने का आह्वान किया। वे मांगें यह हैं कि जिलाधिकार कृषि कार्यालय से इस अनुदान के सही उपयोग पर सतर्क निगरानी रखी जानी चाहिए और इस संबंध में अनुदान राशि के उपयोग पर, चाहे वह कच्चा माल खरीदने में हो या उद्योग स्थापित करने और अंतर्गठनी विकास के कार्य में, सही मार्गदर्शन और सलाह देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। दूसरे, किसानों के उत्पादक संगठनों में यह सुनिश्चित करने के लिए कि उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में कोई कठिनाई न हो और अंतर-संरचना के विकास में उन्हें सही मार्गदर्शन मिल रहा है या नहीं, सरकार को राज्य स्तर पर एक विशेषज्ञ और अनुभवी व्यक्ति की स्पेशल टास्क फोर्स गठित करनी चाहिए। साथ ही खिलंजिया (स्थानीय) बीज उत्पादक कृषि उद्यमी, आदर्श कृषक उत्पादक संस्था को उच्छेदित भूमि का आवंटन देकर वहां जलवायु के अनुसार मेल खाने वाले बीज उत्पादन और असम में व्यापक मांग वाले अत्यावश्यक सामग्री जैसे - मसूर दाल, मूंग दाल, आलू, प्याज, लहसून आदि की व्यापक पैमाने पर खेती करवाने के लिए पायलट प्रोजेक्ट अपनाना चाहिए। बीज उत्पादक किसान और कृषक उत्पादक संस्था से सरकार को बीज की व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही सरकार द्वारा किसानों के धान खरीदने के लिए जो दूरगामी कदम उठाए, उसके लिए किसान समाज हमेशा सरकार के प्रति आभारी है, फिर भी वर्तमान समय में एफसीआई तथा अन्य धान खरीद एजेंसियों को किसानों के धान खरीद व्यवस्था में पीपीसी सेंटर के प्रबंधक और धान मिल मालिकों की किसानों के प्रति जिम्मेदारी के सही मूल्यांकन पर एक व्यावहारिक अध्ययन करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, भारतीय किसान संघ के नेता ने मुख्यमंत्री से कृषि विभाग द्वारा सब्सिडी दरों पर दिए जाने वाले सौर ऊर्जा चालित उछले नदी-तालाब और जलसिंचाई विभाग की जलसिंचाई योजनाओं के कार्यान्वयन पर कड़ी नजर रखने का आग्रह किया। संवाददाता सम्मेलन में भारतीय किसान संघ के असम राज्य कोषाध्यक्ष विकास सिंह और राज्य कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप पाठक भी उपस्थित थे।

असम भाजयुमो ने *मोदीर दोस्त* शीर्षक से शुरू किया डिजिटल अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश ने शुक्रवार से *मोदीर दोस्त* नामक डिजिटल अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों और उपलब्धियों को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना है, जिन्हें दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेतृत्वों में से एक माना जाता है और जिनके इंस्टाग्राम पर सबसे अधिक अनुयायी हैं। अभियान का औपचारिक उद्घाटन असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, वाजपेयी भवन में किया। जिसमें विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े हजारों युवाओं की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा, सांसद बांसुरी स्वराज और दर्शना जार्दोष कार्यक्रम में मौजूद थे। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राकेश दास के नेतृत्व में, *मोदिर बंधु* पहल का उद्देश्य असम के सभी क्षेत्रों को कवर करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, लाखों डिजिटल रूप से जुड़े युवा सोशल मीडिया पर केंद्रीय और राज्य सरकारों द्वारा किए गए विकासात्मक कार्यों को व्यापक रूप से प्रचारित करेंगे, ताकि आम जनता को सूचित और जोड़ने का लक्ष्य पूरा किया जा सके। उद्घाटन सत्र का संचालन भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष दास द्वारा किया गया।

पुलिस ने तीन तस्कर को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव जिले की बागोरी में पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित याबा टैबलेट और कछार जिले के दिगरखाल से पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त किया है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बागोरी में 8000 याबा टैबलेट समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गई याबा टैबलेट की कीमत लगभग 4 करोड रुपए आंकी गई है। वहीं अन्य एक अभियान के दौरान दिगारखाल इलाके में पुलिस ने 918 लीटर अंग्रेजी शराब को जब्त किया है। जिसे बड़े ही शातिराना तरीके से वाहन के अंदर छुपा कर तस्करी की जा रही थी। शराब की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस दोनों ही मामलों में एनडीपीएस धाराओं के तहत अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

रंगापारा केंद्रीय विद्यालय में मनाया गया बैगलैस डे

शोणितपुर (हिंस)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, रंगापाड़ा में नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अंतर्गत कक्षा छठवीं से आठवीं के विद्यार्थियों के लिए 17 से 27 फरवरी तक बैगलेस डे के तहत विभिन्न कौशल आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय शिक्षा से आगे बढ़ाकर अनुभवात्मक एवं आनंददायक अधिगम से जोड़ना था। इस दौरान छात्रों ने जापी निर्माण, बिहू नृत्य, योग एवं बागवानी जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों से उनमें सांस्कृतिक जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी, समूह भावना तथा आत्मविश्वास का विकास हुआ। विद्यालय के प्राचार्य अम्ब्रेश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास वृद्धि तथा व्यवहारिक ज्ञान प्राप्ति में अत्यंत सहायक होते हैं। शिक्षकों ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रशिक्षित स्नातक कला शिक्षक श्याम कुमार ने कला एवं बागवानी गतिविधियों में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। जापी निर्माण के प्रशिक्षक के रूप में मुकुंदो केवट एवं ईपक्षित शर्मा उपस्थित रहे। योग प्रशिक्षण अंकिता बसुमातारी द्वारा तथा खेल गतिविधियों का संचालन रिंटू सैकिया ने किया। विद्यालय प्रशासन के अनुसार यह पहल विद्यार्थियों के लिए एक आनंददायक एवं उपयोगी अनुभव सिद्ध हुआ। साथ ही इस प्रकार की कौशल आधारित गतिविधियां बच्चों के भविष्य में अत्यंत लाभदायक सिद्ध होकर उन्हें आत्मनिर्भर, रचनात्मक एवं व्यवहारिक जीवन के लिए तैयार करती हैं।

नारंगी सैन्य स्टेशन में *नेशन फर्स्ट कार्यक्रम* का आयोजन, राज्यपाल हुए शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के नारंगी सैन्य स्टेशन में मुख्यालय 51 सब एरिया के तत्वावधान में शुक्रवार को *नेशन फर्स्ट कार्यक्रम* का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान *ऑपरेशन सिंदूर* विषय पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें नागरिक प्रशासन और भारतीय सेना के बीच समन्वय तथा राष्ट्र सेवा में उनके संयुक्त प्रयासों को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने राष्ट्र निर्माण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट नागरिक एवं सैन्य अधिकारियों को सम्मानित भी किया। भारतीय सेना द्वारा आयोजित शस्त्र प्रदर्शनी में सेना की परिचालन क्षमता और तकनीकी उन्नति का प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने *नेशन फर्स्ट* विषय पर अपने विचार साझा किए और राष्ट्र की मजबूती के लिए एकता, समर्पण और सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया। कार्यक्रम में भारतीय सेना के जवानों के साथ-साथ राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेटों और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवाओं में देशभक्ति और प्रतिबद्धता की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। कार्यक्रम ने सशस्त्र बलों और नागरिक समाज के बीच समन्वित प्रयासों के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति, सुरक्षा और विकास के प्रति अटूट संकल्प को पुन: सुदृढ़ किया।

असम विस चुनाव 2026 : निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण से बदल गई कलियाबर विस क्षेत्र की रूपरेखा

नगांव (हिंस)। असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गयी हैं। 16वीं असम विधानसभा चुनाव का दिन करीब पहुंचते ही निर्वाचन क्षेत्रवार राजनीतिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं। ऐतिहासिक तथा असम के एक महत्वपूर्ण स्थल कलियाबर में चुनावी उत्साह शुरू हो गया है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन समेत अन्य आंदोलनों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला कलियाबर भाषा-साहित्य के क्षेत्र में भी एक विशेष प्रतिष्ठा रखता है। छह वर्षों तक चले असम आंदोलन का नेतृत्व करने वाले समस्त असम छात्र संघ के तत्कालीन अध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार महंता का घर कलियाबर में है। बाद में कलियाबर और नगांव विधानसभा क्षेत्र का विधायक चुनकर असम के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री के रूप में प्रफुल्ल कुमार महंत ने शपथ ग्रहण किया था। जिला नगांव के कलियाबर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की रूपरेखा

परिसीमन के बाद फिर से बदल गया है। कलियाबर विधानसभा क्षेत्र की जनसंख्या भी बदल गई है। पहले की तुलना में कलियाबर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है। परिसीमन के बाद कलियाबर क्षेत्र का वर्तमान क्रमांक 57 हो गया है। पहले के 89 नंबर कलियाबर विधानसभा क्षेत्र में दो विकास खंडों में कुल 18 ग्राम पंचायतें थीं। सीमांकन के बाद चार ग्राम पंचायतों के शामिल होने से यह संख्या 22 तक बढ़ गई, हालांकि बोरघुली ग्राम पंचायत रूपही क्षेत्र में और कठालगुड़ी ग्राम पंचायत सामागुड़ी क्षेत्र में शामिल हो गई। विश्व धरोहर क्षेत्र काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के दो महत्वपूर्ण वन क्षेत्र बूढ़ापहाड़ और बागड़ी वन क्षेत्र कलियाबर ब्लॉक के अंतर्गत आते हैं। यातायात की दृष्टि से कलियाबर एक बहुत ही सुलभ स्थान है। उपरी, निचले और बराक घाटी के 715 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग का केंद्र बिंदु भी कलियाबर है। साल 1985 के चुनाव के बाद से, कलियाबर क्षेत्र में असम गण परिषद (अगप) पार्टी के उम्मीदवारों का प्रभुत्व जातीयतावादी ध्वजवाहक क्षेत्र के रूप में माना जाता है। इसके बीच 1991 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार बलोराम नाग असम गण परिषद के उम्मीदवार गुनीन हाजरिका को पराजित करने में सफल रहे। इसके बाद से अगप के गुनीन हाजरिका ने 1996 और 2001 में लगातार दो बार और केशव महंत 2006 से लगातार चार बार विजयी होकर पांचवीं बार चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 1,94,336 है। इसमें पुरुष मतदाता 96,424 हैं। जबकि महिला मतदाता 97,906 हैं, तीसरे लिंग के केवल 6 मतदाता हैं। मतदाता सूची के प्रारूप के अनुसार जाति-जनसंख्या, भाषा-भाषी मतदाताओं की संख्या इस प्रकार है - हिंदू बंगाली-49,044, चाय जनजाति के लोग-46,567, धार्मिक अल्पसंख्यक-41,132, असमिया-36,753, नेपाली-6,996, बोड़ो-6,117, कार्बी-4,169 और बिहारी/मारवाड़ी-3,556 हैं। उल्लेखनीय है कि, 2021 के विधानसभा चुनाव के चार उम्मीदवारों में से अगप (गठबंधन) के केशव महंता ने 73,677 वोट, कांग्रेस (महागठबंधन) के प्रशांत कुमार सैकिया ने 44,957 वोट, असम जातीय परिषद के मुकुल बोरुवा ने 2,627 वोट और स्वतंत्र उम्मीदवार भास्कर शर्मा ने 1,676 वोट प्राप्त किए। इसके अलावा नोटा को 1,809 वोट मिले। अगप-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार केशव महंता ने प्रतिद्वंदी उम्मीदवार कांग्रेस महागठबंधन के प्रशांत कुमार सैकिया के मुकाबले 28,720 वोट के अंतर से जीत हासिल की। इसके बाद भी यहां पर चुनाव काफी दिलचस्प नजर आ रहा है।

नगांव : श्री श्याम धाम में दो दिवसीय फाल्गुणोत्सव का शुभारंभ, निशान यात्रा संपन्न

नगांव (निसं)। फाल्गुन शुक्ल एकादशी और द्वादशी का श्री श्याम भक्तों के लिए एक अनोखा समय है जिसमे भक्तगण श्री श्याम सेवा भक्ति में लीन रहता है। श्री श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय फाल्गुन महोत्सव का आज से श्री श्याम धाम नगांव में आरंभ हुआ जो शनिवार को देर रात संपन्न होगा। आज श्री श्याम धाम में सुबह से ही भक्तों का आवागमन खुब रहा। दूरदराज से भी भक्तों ने सपरिवार हाजरी लगाते देखे गए। ढाकापट्टी स्थित श्री रणी सती दादी मंदिर से आज शाम भव्य निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा में श्री श्याम बाबा के चलंत शीश को पालकी में बैठा कर नगर भ्रमण कराया गया। जय श्री श्याम के नारो के साथ बैंड पार्टी और डीजे पर सुमधुर भजन शहर को गुंजायमान कर रहे थे। काफी संख्या में भक्तों ने निशान यात्रा में सामिल हुए। महिला पुरुष अपने अपने गणावेश में निशान यात्रा की शोभा बढा रहे थे। निशान यात्रा श्री श्याम धाम पहुंचने के बाद मंदिर में संध्याकालिन आरती हुई और बाद में ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। कतारबद्ध होकर सभी भक्तों ने ज्योति में आहुति प्रदान कर श्रद्धा-भाव से हाजरी लगाई। स्थानीय भजन गायको द्वारा सुमधुर भजनो की प्रस्तुती देकर माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। सभी ने भंडारा का प्रसाद ग्रहण

किया। कार्यक्रम के दुसरे दिन शनिवार को सुबह से ही मंदिर में विशेष पूजा अर्चना आरंभ होगी। छप्पन भोग का प्रसाद वितरण किया जाएगा। शाम को भजनो के विशेष कार्यक्रम में सुरतगढ़ से आमंत्रित गायिका वैष्णवी जनवेजा भजन गंगा प्रवाहित करेगी। आज श्री श्याम धाम मंदिर का श्रृंगार भक्तों को मोहित कर रहा था। आकर्षक श्रृंगार की सभी आगन्तुको ने सराहना की।

संपादकीय

'आयरन डोम' की दोस्ती

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही इजरायल की संसद को संबोधित किया, वह प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री बन गए, लेकिन 18 देशों की संसद को संबोधित करने वाले वह एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। यह किसी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की ताकत है। प्रधानमंत्री के जरिए भारत का सम्मान और कीर्तिमान सामने आया है। भारत विश्व की एक महाशक्ति है, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था है और सबसे विशाल, सशक्त लोकतंत्र है। यह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी माना और ज्ञापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ऐसे देश में दोबारा गए, जिसे 10 अरब देश मान्यता ही नहीं देते, लेकिन किसी भी मुस्लिम देश ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे का घोषित विरोध नहीं किया। वैसे भारत में भी वामपंथी किस्म की ताकतें चिलचिलाती रही हैं कि इजरायल की मान्यता रद्द करें। इजरायल को भारत ने मान्यता 1992 में तब दी थी, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और कुछ वामपंथी सांसद भी उस अल्पमत सरकार को समर्थन दे रहे थे। बहरहाल महत्वपूर्ण सवाल यह है कि करीब 1.20 करोड़ की आबादी वाला इजरायल, मेघालय राज्य के लगभग बराबर, 147 करोड़ से अधिक की सर्वाधिक आबादी वाले भारत के लिए इतना जरूरी और रणनीतिक साझेदार क्यों है? क्योंकि नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआई, साइबर सुरक्षा, हाईटेक विनिर्माण, सेवाओं, रेगिस्तान में खेती, पानी प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग के संदर्भ में इजरायल भी भारत का आजमाया हुआ मित्र-देश है। वह भारत को 'हैरान ड्रोन' देगा, जो 35,000 फुट की ऊंचाई पर लगातार 45 घंटे तक और 470 किग्रा सामान लेकर उड़ने में सक्षम है। इजरायल ड्रोन प्रौद्योगिकी का 'मास्टर देश' है। वह नवाचार का भी 'पॉवरहाउस' है। उसने कृषि में क्रांति की है और वह 'आयरन डोम' वायु रक्षा प्रणाली वाला देश है, जिसकी सफलता-दर 90 फीसदी के करीब है। खुफियागीरी में 'मोसाद' के कारनामे अद्वितीय हैं। राजधानी दिल्ली से आधे से भी छोटा देश और भारत का तीसरा सबसे बड़ा रक्षा-सहयोगी और रणनीतिक सखा देश...! सबसे अधिक 36 फीसदी रक्षा उत्पाद और हथियार आदि रूस और 33 फीसदी फ्रांस हमें सप्लाई करते हैं, लेकिन 13 फीसदी का योगदान इजरायल का भी है। 'आयरन डोम' ऐसा सिस्टम है, जो इजरायल ने सिर्फ अमरीका को ही दिया है और अब भारत को मुहैया करा सकता है। दोनों देशों के बीच रक्षा और व्यापार समझौतों की घोषणा में स्पष्ट हो जाएगा कि इजरायल हमें किन आधारों पर 'आयरन डोम' देगा। वाकई यह भारत-इजरायल की 'आयरन डोम' दोस्ती और भाईचारे का नया अध्याय है। दोनों देशों के संबंध 2000 साल पुराने हैं। इसका प्रधानमंत्री मोदी ने उल्लेख किया है और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी कहा है कि दोनों प्राचीन सभ्यताओं वाले देश हैं। भारत यहूदियों का अपना 'घर' है। भारत के प्रमुख शहरों में यहूदी बसे हुए हैं। प्रताड़ना या शोषण अथवा हिंसा का कोई भी प्रमुख मामला सामने नहीं है। बल्कि भारत में इजरायल के सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं और भारत सरकार भी उनकी मदद कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों को आतंकवाद से पीड़ित माना और मुंबई के 26/11 आतंकी हमले और इजरायल में 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के नरसंहार को एकसमान करार दिया। हमास नरसंहार की निंदा की। प्रधानमंत्री ने इजरायली संसद के मंच से कहा कि नागरिकों की हत्या किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं है। बहरहाल भारत-इजरायल की 'आयरन डोम' दोस्ती और साझेदारी परवान चढ़ रही है।

प्रधानमंत्री के जरिए भारत का सम्मान और कीर्तिमान सामने आया है। भारत विश्व की एक महाशक्ति है, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था है और सबसे विशाल, सशक्त लोकतंत्र है। यह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी माना और ज्ञापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ऐसे देश में दोबारा गए, जिसे 10 अरब देश मान्यता ही नहीं देते, लेकिन किसी भी मुस्लिम देश ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे का घोषित विरोध नहीं किया। वैसे भारत में भी वामपंथी किस्म की ताकतें चिलचिलाती रही हैं कि इजरायल की मान्यता रद्द करें। इजरायल को भारत ने मान्यता 1992 में तब दी थी, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और कुछ वामपंथी सांसद भी उस अल्पमत सरकार को समर्थन दे रहे थे। बहरहाल महत्वपूर्ण सवाल यह है कि करीब 1.20 करोड़ की आबादी वाला इजरायल, मेघालय राज्य के लगभग बराबर, 147 करोड़ से अधिक की सर्वाधिक आबादी वाले भारत के लिए इतना जरूरी और रणनीतिक साझेदार क्यों है? क्योंकि नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआई, साइबर सुरक्षा, हाईटेक विनिर्माण, सेवाओं, रेगिस्तान में खेती, पानी प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग के संदर्भ में इजरायल भी भारत का आजमाया हुआ मित्र-देश है। वह भारत को 'हैरान ड्रोन' देगा, जो 35,000 फुट की ऊंचाई पर लगातार 45 घंटे तक और 470 किग्रा सामान लेकर उड़ने में सक्षम है। इजरायल ड्रोन प्रौद्योगिकी का 'मास्टर देश' है। वह नवाचार का भी 'पॉवरहाउस' है। उसने कृषि में क्रांति की है और वह 'आयरन डोम' वायु रक्षा प्रणाली वाला देश है, जिसकी सफलता-दर 90 फीसदी के करीब है। खुफियागीरी में 'मोसाद' के कारनामे अद्वितीय हैं।

राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है। संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह है, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है। ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को

नसीहत दे रहे हैं। जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा। भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्र व्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है। भारत मंडपम में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि पार्टी के विरोध करने के शऊर, मुददे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है।

देश | दुनीया से

राहुल गांधी के शेर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर आजकल दुनिया के सब देशों में चर्चा चल रही है। कहा जा रहा है कि भविष्य इसी बुद्धिमता का बचा है। इसको लेकर चौथा विश्व सम्मेलन पिछले दिनों भारत की राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ था। इस सम्मेलन में दुनिया भर के वैज्ञानिक, उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, विश्वविद्यालय, छात्र व अन्य लोग एकत्रित हुए थे। कई देशों के मुखिया इसमें भाग ले रहे थे। भारत के लिए यह सचमुच गौरव की बात थी कि इस वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करने का अवसर उसे मिल रहा था। लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इसमें गड़बड़ करने की शायद पहले से ही योजना बना रखी थी। उसके दस नेताओं ने इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवा रखा था। इसके लिए यकीनन गुप्त रूप से तैयारी की गई होगी। किसी प्रेस से टी-शर्ट पर नरेंद्र मोदी की टीका टिप्पणी वाला चित्र छपवाया गया। उस टी शर्ट पर एक दूसरी साधारण कमीज पहन ली गई। पंजीकरण तो था ही। इस प्रकार कांग्रेस के ये दस नेता भारत मंडपम में दाखिल हो गए। कांग्रेस के इन नेताओं ने वहां विश्वभर के लोगों के सामने अपने शरीर के ऊपरी भाग के कपड़े उतार दिए। शुरू में तो वहां एकत्रित लोगों ने यही समझा कि ये भी शायद एआई से निर्मित भारत के रोबोट हैं जिनका प्रदर्शन किया जा रहा है। सम्मेलन के शुरू में ही गलगोटिया विश्वविद्यालय ने एक कृत्रिम चीनी कुत्ते को अपना कह कर भद्द पिटवा ली थी। इसलिए नारे लगाते इन दस लोगों को देख कर शुरू में भ्रम होना ही था कि शायद भारत निर्मित रोबोट हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी समझा होगा कि भारत ने एआई के क्षेत्र में इतनी बड़ी छलांग लगा ली है कि वह आर्गेनिक एआई तक पहुंच गया है जहां रोबोट मनुष्यों की तरह सोचता भी है। चेतना युक्त रोबोट। लेकिन फिर इन दस नेताओं ने अलग अलग मुद्राओं में नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। इनका कहना था कि ये वहां नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए गए थे। कुछ दिन बाद सोनिया गान्धी परिवार के राहुल गान्धी ने स्वयं ख़ुलासा किया कि ये उसके 'शेर' थे। अब मामला साफ हो गया था कि यह सारी करतूत किसकी और क्यों थी। पहले चीनी कुत्ते ने भद्द पिटवाई और अब राहुल गान्धी के दस शेरों ने। प्रदर्शन करना कोई बुरी चीज नहीं है। यह समय समय पर करते रहना चाहिए। उससे पता चलता रहता है कि इस दिशा में भी देश कितनी प्रगति कर रहा है। इस काम के लिए भारत ने तो स्थान और सुविधा भी दे रखी है। दिल्ली में ही जहां राहुल गान्धी के दस शेर भारत मंडपम में घुस गए गए थे, सरकार ने जंतर मंतर पर प्रदर्शनों की सब प्रकार की 'सुविधापूर्ण प्रदर्शन स्थली' बना रखी है। लेकिन इन दस शेरों को शायद दुनिया के आगे नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करना था। परन्तु एक और प्रश्न भी पैदा होता है। यह विश्व सम्मेलन तो 'भारत' का था। यह सम्मेलन मोदी का नहीं था। यहां प्रदर्शन या विरोध का अर्थ था भारत का विरोध। यहां लगाए गए नारे परोक्ष रूप से भारत के खिलाफ लगाए गए नारे ही थे। दरअसल जब कोई व्यक्ति या संस्था अपनी सामान्य बुद्धि से कार्य करती है तो वह कार्य तार्किक हो सकता है। लेकिन जब किसी व्यक्ति या संस्था का संचालन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से किया जाने लगे तो उसका विश्लेषण सामान्य पैमानों से नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए यदि प्रश्न पूछा जाए कि कृत्रिम बुद्धि से संचालित व्यक्ति कैसा व्यवहार कर सकता है, तो इसके कई उत्तर हो सकते हैं, मसलन वह आग में भी कूद सकता है, समुद्र में भी छलांग लगा सकता है, हवा में भी उड़ सकता है, भरी सभा में अपने कपड़े भी उतार सकता है, किसी को खंजर भी घोंप सकता है। यही कारण है कि आजकल जहां एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभों की चर्चा हो रही है वहीं उसके नुकसानों पर भी चर्चा होने लगी है। एआई की सीमा यह है कि उसका नियंत्रण किसी दूसरे के हाथ में होता है। जैसे कठपुतलियों का नाच वगैरह। लेकिन कई बार गड़बड़ हो जाती है। विवाह में नाचने वाली कठपुतली फिजिक्स के सेमिनार में नाचने लगती है। यकीनन तब वहां शिरकत कर रहा कोई भी उसकी कला की प्रशंसा तो नहीं करेगा बल्कि कहेगा, इसको यहां से निकालो। यदि वही कठपुतली किसी विवाह स्थल पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगी तो वाहवाही बटोरेगी। कांग्रेस के ये दस बड़े नेता जो भारत मंडपम में विविध भाव भंगिमाओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे यकीनन वाहवाही तो नहीं ही बटोर रहे थे। लेकिन वाहवाही बटोरना उनका शायद उद्देश्य भी नहीं था। उनका उद्देश्य तो भारत की भद्द पिटवाना था। कोई भी मौका हो, कोई भी स्थान हो, वे भारत की भद्द पिटवाने का कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देंगे। अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि गलगोटिया विश्वविद्यालय के चीनी कुत्ते के प्रकरण की भी बाकायदा जांच की जाए, वहां भी कहीं इन 'भद्द पिटवाने वाली जुंडली' के तार तो नहीं जुड़े हुए। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने अति उत्साह में आकर यह हरकत की है, शायद वे अपने नेताओं की नजर में अपनी कीमत बढ़वाना चाहते होंगे। शायद ऐसा मान भी लिया गया होता। इस थ्योरी का खंडन स्वयं राहुल गान्धी ने ही समय रहते कर दिया। उसके कहने का भाव यह था कि इन्हें कोई साधारण कार्यकर्ता न समझ लें। ये तो उसके 'शेर' हैं। इस मरहले पर डा. नवजोत कौर सिद्धु का ध्यान आता है। सिद्धु परिवार का राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी के साथ बहुत अपनत्व वाला संबंध रहा है। अपने इन लंबे संबंधों का विश्लेषण करते हुए कुछ दिन पहले ही डा. सिद्धु ने राहुल गान्धी पर टिप्पणी करते हुए दुःख प्रकट किया था कि वह 'पप्पू' के स्तर से ऊपर नहीं उठ पा रहा है। लेकिन भारतीय राजनीति का दुखान्त इतना ही नहीं है। वह इससे भी आगे जाता है। उसकी मां इस बात पर जिद किए बैठी हैं कि इसे हर हालत में भारत का प्रधानमंत्री बनाना है। बस एक छलांग ही तो बची है। अब 'विपक्ष के नेता' तक की सीढ़ी पर तो बैठे ही हैं। राहुल गान्धी की भी अपनी जिद है। जब तक प्रधानमंत्री नहीं बना देते तब तक मेरे ये 'शेर' हर जगह, मौके बेमौके ऐसे ही घूमेंगे। लेकिन लगता है पानी सिर से गुजरने लगा है। कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने वाले इन दस नेताओं की पिटाई वहां की साधारण जनता ने कर दी। क्या कांग्रेस या राहुल गान्धी इस प्रकरण से कुछ सीखेंगे? जिन्होंने हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र के चुनावों से कुछ नहीं सीखा, वे अब अपनी ही इन रोबोटनुमा हरकतों से भला क्या सीख सकते हैं। अलबत्ता भारत के लोग इससे अवश्य सीख लेंगे कि यह कांग्रेस अब महात्मा गान्धी वाली कांग्रेस नहीं रही, जिस प्रकार हिमाचल वाली कांग्रेस राजा वीरभद्र वाली कांग्रेस नहीं रही। अब कांग्रेस कृत्रिम बुद्धि से संचालित होती है। इस कृत्रिम बुद्धि का चाकू किसी सही व्यक्ति के हाथ में हो तो सर्जरी के काम आता है और किसी दूसरे के पास चला जाए तो गला काटने के काम आता है। राहुल गान्धी के ये शेर भारत मंडपम में यही काम कर रहे थे।

आप का | नजरीया

पुलिस के बीच दिल्ली-हिमाचल

न तुम बेवफा थे, न हम बेवफा हैं। यह उस बहस का नतीजा है जो दिल्ली और हिमाचल पुलिस के बीच एक हाई वोल्टेज ड्रामा समझा गया। नजारा इसके भीतर और देश के मौजूदा हालात के दरमियान है। देश की कानून व्यवस्था बैलगाडियों पर ढोई जा रही है। माजरा यह है कि देश में सबसे बड़ा एआई इवेंट इस वजह से खराब होता दिखाई दे रहा है कि कहीं कांग्रेस के युवा सिपाहियों ने कमीज उतार कर विरोध कर दिया। अहम किरदार उस कांग्रेसी में आ गया, जो अब मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करने का जज्बा रखता है। अब हालात की परेशानी में देश की सरकार उन्हें ढूंढ रही है जिनकी बनियान पर एआई का विरोध छपा था। इसी लुका-छिपी की एक कहानी हिमाचल की मेजबानी बन गई। यह गजब का इश्क है तेरे फरमानों में, ढूंढने लगे हो अपने खत मेरे तहखानों में। यानी पहले रात के अंधेरे में दिल्ली पुलिस ने हिमाचल भवन और सदन की खाक छानी, तो छवि की रेत झरने लगी और अब रोहड़ू तक पहुंच कर, 'इंकलाब जिंदाबाद' के खिलाफ धावा बोला गया। जाहिर है सत्ता के कारण हिमाचल अब कांग्रेस की दरगाह है, तो सारे कर्मकांड यहीं से निभाए जाएंगे। हैरानी तब हुई जब कांग्रेस के मक्का से युवा ब्रिगेड का मुकाम छीनने के लिए एक-दो नहीं, दिल्ली पुलिस के बीस लोगों का जत्था घुसपैठ करने के इरादे से, हिमाचल को ऐसे अपराध की जननी मान बैठा, जो हकीकत में एक बुलबुला था। दिल्ली से वाकई शिमला दूर है और शिमला से रोहड़ू भी नजदीक नहीं है, इसलिए चौकसी में मशहूर हिमाचल पुलिस ने हिम्मत दिखाते हुए केंद्र की पुलिस में मुजरिम खोजने का नाका लगा दिया। लोगों की नींद इसलिए तो कभी हराम नहीं होती कि कौन सोलर लाइट की बैटरी चुरा रहा है या स्मार्ट सिटी की टाइलें बिना हील हुज्जत के क्यों टूट रही हैं, लेकिन जब पुलिस बनाम पुलिस के मुकाबले में हमारी पुलिस वाकई नजर आए तो हम वीर भूमि बनते जरूर नजर आए। तीन युवा कांग्रेसी अगर कांग्रेसी सत्ता के राज्य में सुरक्षित नहीं, तो फिर अगली बार सरकार कैसे बनेगी। दूसरी ओर एआई के पंडाल में देश की हरकतों में अगर चीन का 'रोबो कुत्ता' बदनाम न होता, तो कांग्रेस के नसीब में यह संघर्ष भी न आता। वैसे रोबोट के किस्से तो देश में पुराने हो गए, क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री ही स्कूल में इसे बना चुके हैं और इधर हिमाचल भी कम नहीं। प्रगतिशील राज्य के मेडिकल कालेजों के रोबोट सर्जरी कर रहे हैं, तो हम विज्ञान की मिसाल हैं। इससे पूर्व भी केंद्र की शान में हिमाचल आगे रहा है, जब एक प्रतिष्ठित पत्रकार स्व. विनोद दुआ के खिलाफ देशद्रोह का मामला बहुत पहले शिमला की कमान में ही बना था। पता नहीं दिल्ली पुलिस के जत्थे ने हिमाचल आकर यहां का कितना पानी पिया, लेकिन पहाड़ का पानी पिये बिना दिल्ली पुलिस रह नहीं सकती। लोग पूछ रहे हैं कि हिमाचल पुलिस को क्या आन पड़ी थी कि मीडिया की भी रात काली कर दी, लेकिन यह अवसर फिर पता नहीं कब आता। अंततः हिमाचली अधिकारों पर तो केंद्र आज तक नहीं जागा। वाटर सैस पर चुप्पी धारण किए केंद्र को कैसे समझाएं कि इसके जरिए हमने आत्मनिर्भर बनना है। शानन विद्युत परियोजना की लीज खत्म होने के बाद भी केंद्र को कैसे बताएं कि यह करंट हमारा है। हम न तो अपनी कोमल-पवित्र हवाएं रोक सकते, न पानी के स्रोत रोक सकते, लेकिन दिल्ली पुलिस को रोक कर बता दिया कि हमारी कानून दृष्टि कितनी अधिकृत है। यह दीगर है कि किसी तरह दिल्ली पुलिस तीन कांग्रेसी युवाओं को अपने साथ ले गई, लेकिन संदेश भी दिया जा चुका है। आइंदा हिमाचल से किसी कांग्रेसी नेता को उठाना है, तो पहले प्रदेश पुलिस को बताना होगा। हम बहस कर सकते हैं कि हिमाचल के हर थाने में बताते हुए भी पुलिस इतना जबरदस्त एक्शन नहीं लेती, तो दिल्ली पुलिस को क्यों रोक दिया। हमारी भूल है थानों में अब सिर्फ पुलिस नहीं होती, वहां क्षेत्रीय नेताओं का दबदबा होता है। हर एफआईआर एक कहानी है। इसलिए पुलिस बनाम पुलिस के बीच एफआईआर तो देखी गई, मगर आर्डर सिर्फ पुलिस के विवेक, समझ और रूटीन से नहीं, उस आंदोलन से निकले हैं जिसने बताने की कोशिश की कि चीन का 'रोबो डॉग' हमारी एआई उपलब्धियों का नजराना नहीं। केंद्र कितने प्रयास से युवा कांग्रेसियों को पकड़ रही है, लेकिन इन गिरफ्तारियों से यह सिद्ध हो जाता है कि कांग्रेस अब संघर्ष से गहरी चोट पहुंचा सकती है।

देश की कानून व्यवस्था बैलगाडियों पर ढोई जा रही है। माजरा यह है कि देश में सबसे बड़ा एआई इवेंट इस वजह से खराब होता दिखाई दे रहा है कि कहीं कांग्रेस के युवा सिपाहियों ने कमीज उतार कर विरोध कर दिया। अहम किरदार उस कांग्रेसी में आ गया, जो अब मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करने का जज्बा रखता है। अब हालात की परेशानी में देश की सरकार उन्हें ढूंढ रही है जिनकी बनियान पर एआई का विरोध छपा था। इसी लुका-छिपी की एक कहानी हिमाचल की मेजबानी बन गई। यह गजब का इश्क है तेरे फरमानों में, ढूंढने लगे हो अपने खत मेरे तहखानों में। यानी पहले रात के अंधेरे में दिल्ली पुलिस ने हिमाचल भवन और सदन की खाक छानी, तो छवि की रेत झरने लगी और अब रोहड़ू तक पहुंच कर, 'इंकलाब जिंदाबाद' के खिलाफ धावा बोला गया। जाहिर है सत्ता के कारण हिमाचल अब कांग्रेस की दरगाह है, तो सारे कर्मकांड यहीं से निभाए जाएंगे। हैरानी तब हुई जब कांग्रेस के मक्का से युवा ब्रिगेड का मुकाम छीनने के लिए एक-दो नहीं, दिल्ली पुलिस के बीस लोगों का जत्था घुसपैठ करने के इरादे से, हिमाचल को ऐसे अपराध की जननी मान बैठा, जो हकीकत में एक बुलबुला था।

कुछ | अलग

बुरा मानिये होली है...

यही तो बात है बुरा मानने की आज होली है। यह कोई न्यू इयर अथवा वेलेंटाइंस डे थोड़े ही है, जो बुरा न मानें। यह होली है होली, जिसमें रंग के नाम पर कीचड़ पोता जा रहा है और शुभकामनाओं के नाम पर दी जा रही हैं, खुलेआम गाली। वैरभाव और ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाने की एवज दोगुना कर देती है होली। इसलिए सामने वाले पर गुस्सा कीजिये ताकि वह अपनी औकात में रहे। मुझे पता है वह बुरा न मानो होली है, का नारा देकर अपने भीतर की तमाम खटास निकालेगा, इसलिए उसको मौका ही क्यों दिया जाए कि वह आपकी साफ-सुथरी पोशाक को बदरंग बना दे और आपकी एकदम स्वच्छ छवि पर कालिख पोत जाए। होली पर बुरा इसलिए भी मानिये कि वह 'भाई साहब-भाई साहब' कहता हुआ आपके घर में घुसेगा और आपकी पत्नी से होली खेलने लगेगा। पत्नी के जिन गालों पर हाथ लगाते हुए आप खुद तीन बार सोचते हैं, वह 'भाभीजी-भाभीजी' कहता हुआ उनके गालों को लाल कर देगा। महिलाओं के साथ ऐसा बर्ताव बदतमीजी में माना गया है, इसलिए होली पर बुरा मानिये और अपनी पत्नी की इज्जत बचाइये। बुरा मानने की बात इसलिए भी है कि वह अभी आप द्वारा परोसी गई तमाम मिठाइयों और गुझिया को एक ही पल में चाट जाएगा और आपके मासूम माल खाने को तरस जाएंगे। बच्चों का हक बचाना है तो होली पर नाराज रहिये ताकि कोई इसके बहाने आपके घर मेहमान बनकर भी न आ सके। आपका माल मार रहा है और आप बुरा भी न मानें, यह नितांत गलत है। मान लिया आपके रंग लगाने, तक तो बात चल भी जाए, लेकिन उसने होली के बहाने आपके कुर्ता-पाजामा को तार-तार कर दिया है और आप भिखारी की भूमिका में आ गए हैं, तो आप क्या बुरा नहीं मानेंगे? अवश्य बुरा मानिये, उसने कृत्य ही ऐसा किया है।

दृष्टि | कोण

प्रशिक्षकों को नगद ईनाम कब?

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नगद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नगद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नगद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है? कबड्डी में भारतीय टीम की कप्तान रितु नेगी सहित कई खिलाडियों को कोच रतन ठाकुर ने तराशा है तथा दर्जनों अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी तैयार करने वाली कोच स्नेह लता क्या वह नगद ईनाम के हकदार नहीं हैं। इसी तरह अन्य खेलों के प्रशिक्षक भी हैं। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है, जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाले प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है,

मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज मस्ती कर रहा है वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है। खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए।

राष्ट्रीय विकास के लिए घरेलू निर्माण बढ़ाना जरूरी : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। एडवांस डायग्नोस्टिक इमेजिंग सॉल्यूशन के लिए फुजीफिल्म इंडिया ने आज जोधपुर में एंडोस्कोपी मैन्यूफेक्चरिंग यूनिट के उद्घाटन की घोषणा की। इससे भारत सरकार की *मेक इन इंडिया* को बल मिलेगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत थे, जबकि चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा जब हम स्वास्थ्य, तकनीक, इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों में देश के भीतर विश्वस्तरीय क्षमता विकसित करेंगे। अमृत काल में मेडिकल डिवाइस जैसे हाई-प्रिसिजन सेक्टर में घरेलू निर्माण बढ़ाना राष्ट्रीय विकास के लिए जरूरी है। इससे मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा और भारत एक विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में उभरेगा। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 का लक्ष्य रोजगार बढ़ाना, इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करना और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देना है। जोधपुर में एंडोस्कोपी निर्माण यूनिट शुरू होना इस बात का संकेत है कि राजस्थान का औद्योगिक माहौल निवेश के लिए अनुकूल है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और दीर्घकालिक औद्योगिक क्षमता विकसित होगी। इस अवसर पर फुजीफिल्म एशिया पेसिफिक प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हरुतो इवाटा तथा कोजी वाड सहित स्वास्थ्य क्षेत्र एवं सरकारी संस्थानों के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

उच्च न्यायालय ने अगले आदेश तक अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

प्रयागराज (हिंस)। उच्च न्यायालय ने पॉस्को एक्ट में दर्ज एफआईआर मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को फिलहाल राहत मिल गई है। शुक्रवार को न्यायालय ने अग्रिम जमानत पर सुनवाई के बाद अपना आदेश रिजर्व कर लिया है, लेकिन आदेश आने तक उनकी गिरफ्तार पर रोक लगा दी है। दरअसल, पॉस्को एक्ट में दर्ज मुकदमे में गिरफ्तारी से बचने के लिए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत अर्जी पेश की थी। शुक्रवार को उनकी याचिका पर सुनवाई हुई और उच्च न्यायालय ने अविमुक्तेश्वरानंद की अगली सुनवाई तक गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए आदेश को सुरक्षित कर लिया है। गौरतलब है कि आशुतोष ब्रह्मचारी की अर्जी पर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट के आदेश के अनुपालन में अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बीते रविवार झूंसी थाने में पॉस्को एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। झूंसी पुलिस मुकदमा दर्ज होने के बाद इस मामले में पूछताछ कर चुकी है। पीड़ितों के बयान और मेडिकल भी हो चुका है।

विराट हिंदू धर्मसभा आज : राज्यपाल हरिभाऊ बागडे आएसएस क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम भी शामिल होंगे

बीकानेर (हिंस)। जिले की नोखा तहसील के मूलवास-सीलवा में 28 फरवरी को सनातन चेतना की विराट हिंदू धर्मसभा का आयोजन नरसी विला परिसर में किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शुक्रवार को होटल सागर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान नरसी कुलरिया ने आयोजन से जुड़ी तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य सनातन चेतना को जन-जन तक पहुंचाना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। धर्मसभा के लिए हजारों लोगों की व्यवस्था की जा रही है। नरसी कुलरिया ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे तथा दीदी मां साध्वी ऋतंभरा के आगमन को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम भी मुख्य रूप से शामिल होंगे। आयोजन स्थल तक पहुंचने वाले मार्ग को भगवा ध्वज, तोरण द्वार और आकर्षक स्वागत द्वारों से सजाया गया है। नरसी विला परिसर को मंदिर शैली में अलंकृत किया गया है। कार्यक्रम के दौरान 65 फीट ऊंची मां भारती के प्रतिरूप एवं धर्म ध्वजा की स्थापना का लोकार्पण भी किया जाएगा। आयोजन के तहत भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें पुष्प वर्षा, बैंड-बाजों और पारंपरिक स्वागत के साथ अतिथियों का अभिनंदन होगा। देशभर से संत-महात्माओं के पहुंचने की संभावना है, जिससे कार्यक्रम ऐतिहासिक स्वरूप लेता नजर आ रहा है। युवा उद्यमी जगदीश कुलरिया और जनक कुलरिया के नेतृत्व में आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। ब्रह्मलीन संत दुलाराम कुलरिया की विचारधारा को भंवर, नरसी और पूनम कुलरिया आगे बढ़ा रहे हैं। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं को लेकर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कुलरिया ने बताया कि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शनिवार दोपहर 3.05 बजे वायु मार्ग से मूलवास-सीलवा हैलीपेड पहुंचेंगे। बागडे यहां आयोजित विराट हिंदू धर्म सभा में शिरकत करेंगे। इसके बाद वायुमार्ग से सीलवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

हाईकोर्ट : आदेश की दो साल बाद भी पालना नहीं होने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

जोधपुर (हिंस)। लैब सहायक पद पर नियुक्ति देने के आदेश को दो साल बीत जाने के बावजूद पालना नहीं होने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए हाइकोर्ट जस्टिस रेखा बोराणा की एकलपीठ ने 18 मार्च तक आदेश की अक्षरश: पालना करने अन्यथा प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को हाईकोर्ट में व्यक्तिश: हाजिर रहने के आदेश दिए है। दरअसल राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा में लैब सहायक के 1393 विज्ञापित पदों के विरुद्ध सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रायसिंहनगर, जिला श्रीगंगानगर में संविदा पर कार्यरत विकलांग याचिकाकर्ता श्यामलाल को सक्षम अधिकारी सीएमएचओ श्रीगंगानगर द्वारा चार वर्ष से अधिक का लैब सहायक (संविदा) पद का कार्य अनुभव जारी कर देने और नियमानुसार मेरिट में आने के बावजूद अंतिम चयन सूची में सम्मिलित नहीं किए जाने और पद के पदनाम अर्थात लैब सहायक की जगह लैब अटेंडेंट मानने को लेकर बोनस अंकों से वंचित करने पर रिट याचिका दायर की थी।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह व उनके करीबियों पर तीसरे दिन भी आयकर विभाग के छापे

बलिया (हिंस)। रसड़ा सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों व उनके सहयोगियों के यहां बलिया में तीसरे दिन शुक्रवार को भी आईटी टीम की छापेमारी जारी रही। बलिया में लगातार तीसरे दिन आईटी की छापेमारी से कई कयासों को बल मिल रहे हैं। लोग उनके ठिकानों पर भारी मात्रा में नगदी मिलने की चर्चा कर रहे हैं। हालांकि छापा डाल रही आयकर टीम की तरफ अभी कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों के अनुसार आयकर विभाग ने उमाशंकर सिंह के खिलाफ अब अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। आईटी ने अपनी जांच को अब केवल वित्तीय लेन-देन और उत्तर प्रदेश में लखनऊ, बलिया और सोनभद्र तक सीमित न रखकर कई अन्य जिलों तक फैला दिया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्टी आज

बीकानेर (हिंस)। राजकीय डूंगर महाविद्यालय बीकानेर में 28 फरवरी को ग्रीन एडवांसमेंट इन साइंस एंड टेक्नोलॉजीविशेष रूप सेभारतीय ज्ञान परंपरा पर कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। प्राचार्य राजकीय डूंगर महाविद्यालय प्रोफेसर राजेंद्र पुरोहित ने बताया कि यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ग्रीन केमेस्ट्री एवं रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री लंदन नॉर्थ इंडिया क्षेत्र एवं ग्रीन केमेस्ट्री नेटवर्क सेंटर हिंदू कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के संयुक्त वरदान में आयोजित की जा रही है एवं यह कांफ्रेंस विशेष रूप से भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित होगी। कांफ्रेंस संयोजक डॉ हेमेंद्र भंडारी ने बताया कि संगोष्टी के मुख्य अतिथि प्रोफेसर मनोज दीक्षित (कुलगुरु महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर) होंगे तथा कांफ्रेंस पैटर्न एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर आर के शर्मा (सेक्रेटरी रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री लंदन) होंगे। डॉ भंडारी ने बताया कि इसमें कुल पांच सत्रों में देश विदेश के 20 प्रमुख वैज्ञानिक अभिभाषण देंगे। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणाली पर एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। पोस्टर सेशन के लिए प्रताप सभागार में एक गैलरी आरक्षित रखी गई है। जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान दर्शन से संबंधित शोध कार्यों पर पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके साथ ही ई-पोस्टर्स का एक विशेष सत्र ऑनलाइन माध्यम से भी आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य चर्चाओं विचारों के आदान-प्रदान और युवा विद्वानों को वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक मंच प्रदान करना है। गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर एस के मेहता पूर्व वाइस चांसलर लद्दाख यूनिवर्सिटी एवं अध्यक्ष पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ होंगे साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर जॉर्जी केगलीविच प्रोफेसर एंड हेड बीयूटीई हंगरी होंगे। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश से लगभग डेढ़ सौ से 200 स्पीकर्स भारतीय ज्ञान परंपरा के विद्वान एवं रिसर्च स्कॉलर और छात्राएं भाग लेंगे।

ट्रेड डील के विरोध में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व भारत के प्रधानमंत्री मोदी का पुतला जलाया

कैथल (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) की जिला स्तरीय बैठक हनुमान वाटिका कैथल में जिला अध्यक्ष गुरनाम फरल की अध्यक्षता मे हुई। बैठक के बाद युवा प्रदेश अध्यक्ष विक्रम कसाना एडवोकेट, प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चहल नरड़, प्रदेश उपाध्यक्ष चमकौर सिंह चीका के नेतृत्व में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध मे नारेबाजी करते हुए किसान छोटू राम चौक पर पहुंचे, वहां पर ट्रेड डील के विरोध में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाया गया। युवा प्रदेश अध्यक्ष विक्रम कसाना ने शुक्रवार को कहा कि धान के सीजन में हरियाणा प्रदेश में खरीद के दौरान पांच हजार करोड रुपए से अधिक का धान घोटाला हुआ है, जिसको लेकर पूरे प्रदेश में धरने में प्रदर्शन किए गए, लेकिन इस घोटाले को दबाने की कोशिश की जा रही है। इस धान घोटाले की सीबीआई से जांच करवाई जाए। आज पूरे देश में भाकियू चढूनी द्वारा डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री के पुतले जलाकर इस ट्रेड डील का विरोध किया जा रहा है और 10 मार्च

को पूरे देश में तहसील स्तर पर इसके विरोध में ट्रैक्टर मार्च निकालकर विरोध किया जाएगा। 23 मार्च को शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहादत दिवस पर अनाज मंडी पिपली (कुरुक्षेत्र) में किसान- मजदूर जन क्रांति रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश एवं देश भर से किसान मजदूर व सामाजिक संगठन भाग लेंगे। इस महापंचायत में आगे के आंदोलन की रणनीति की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील देश के किसानों और खेत मजदूरों पर सीधा हमला है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी कृषि मंत्री के बयानों से साफ है कि भारत अमरीकी कृषि उत्पादों को जीरो कस्टम ड्यूटी पर अपने बाजार में आने देगा, जिससे भारतीय किसानों की रोजी-रोटी छिन जाएगी। उन्होंने कहा कि 2024 में अमेरिका का भारत के साथ कृषि व्यापार घाटा 1.3 बिलियन डॉलर था, अब यह डील अमेरिकी किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई है, ना कि हमारे किसानों की रक्षा के लिए। पहले तीन काले कृषि कानूनों से खेती कॉर्पोरेट के हवाले करने की कोशिश हुई, अब फिर अमेरिकी उत्पादों को जीरो कस्टम ड्यूटी पर लाकर भारतीय किसान को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। यह किसानो से सबसे बड़ा विश्वासघात है। जिला अध्यक्ष गुरनाम फरल व प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चहल नरड़ ने कहा कि भाकियू लंबे समय से किसानों, मजदूरों एवं आम जनता के ज्वलंत मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलनरत है। संगठन द्वारा केंद्र सरकार की किसान-विरोधी नीतियों तथा भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड डील के संभावित दुष्प्रभावों के खिलाफ लगातार आवाज़ उठाई जा रही है।

भाजपा नेताओं ने अंबाला छावनी पहुंचकर जाना अनिल विज का हालचाल

हिसार (हिंस)। हिसार के भाजपा नेताओं ने अंबाला छावनी पहुंचकर वरिष्ठ पार्टी नेता एवं कैबिनेट मंत्री अनिल विज का हालचाल जाना। पिछले दिनों गिरने की वजह से अनिल विज के पैरों में चोट लग गई थी। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. योगेश बिदानी, जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, वार्ड 17 के पार्षद राजेश अरोड़ा, सन्नी एवं अन्य अंबाला छावनी पहुंचे और मंत्री अनिल विज से मुलाकात की। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा के अनुसार मंत्री ने बताया कि पिछले दिनों गिरने की वजह से पैरों में फ्रेक्चर हो गया था और चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। उनका इलाज चल रहा है और वे अपने आवास पर ही चिकित्सीय लाभ ले रहे हैं। भाजपा नेताओं ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मंत्री अनिल विज ने भी हिसार से पहुंचे भाजपा नेताओं से कुशलक्षेम पूछी और कहा कि भगवान की कृपा व प्रशंसकों की दुआओं से वे शीघ्र स्वस्थ होंगे।

बिहार विधानसभा में धर्म परिवर्तन पर कड़े कानून की मांग, सरकार ने फिलहाल प्रस्ताव से किया इनकार

पटना (हिंस)। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में धर्म परिवर्तन को लेकर कड़ा कानून बनाने की मांग उठी। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सत्तापक्ष के कई विधायकों ने इस मुद्दे को सदन में उठाते हुए राज्य में धर्मांतरण पर नियंत्रण के लिए सख्त कानून लागू करने की मांग की। इस मुद्दे को उठाने वालों में मिथिलेश तिवारी, वीरेंद्र कुमार जनक सिंह, संजय कुमार सिंह, जीवेश कुमार मिश्रा सहित कुल 18 विधायक शामिल थे। सदस्यों ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्यों में धर्म परिवर्तन विरोधी कानून लागू हैं, जहां धोखाधड़ी, प्रलोभन या बाल विवाह के माध्यम से धर्म परिवर्तन कराने पर कठोर सजा का प्रावधान है। विधायकों ने दावा किया कि बिहार में ईसाई और मुस्लिम आबादी में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई है तथा

राज्य में बड़ी संख्या में चर्च स्थापित हुए हैं। सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या संरचना में बदलाव की बात कहते हुए उन्होंने धर्म परिवर्तन की घटनाओं पर चिंता जताई और कहौ कि बिहार में 5000 से अधिक चर्च की स्थापना हो चुकी है। ईसाइयों का राष्ट्रीय स्तर पर ग्रोथ रेट 15.5 प्रतिशत है, जबकि बिहार में 143.23 प्रतिशत है। भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिहार में भी सख्त कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बक्सर जिले में बड़ी संख्या में (लगभग 1000) दलित परिवारों ने धर्म परिवर्तन किया है तथा सीमांचल क्षेत्र के कई जिलों (कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया) का डेमोग्राफी चेंज हो गया है। इसलिए इस कानून की जरूरत है, सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। जाले से भाजपा विधायक जीवेश कुमार मिश्रा ने धर्म परिवर्तन के बाद आरक्षण लाभ मिलने के मुद्दे को उठाते हुए इस पर स्पष्ट कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता बताई। वहीं विधायक संजय सिंह ने धर्मांतरण को गंभीर राष्ट्रीय विषय बताते हुए कड़े कानून की मांग दोहराई। हालांकि, सरकार की ओर से जवाब देते हुए पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने स्पष्ट किया कि फिलहाल राज्य सरकार के पास धर्म परिवर्तन को लेकर कोई नया कानून लाने का प्रस्ताव नहीं है। मंत्री के जवाब के बाद विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि विषय को नियमन दे दिया गया है और सरकार आवश्यकता अनुसार इसकी समीक्षा करेगी। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर आगे चर्चा नहीं कराई जाएगी, जिसके बाद सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाई गई।

देवरिया में धूमधाम से निकली खाटू श्याम की निशान यात्रा

देवरिया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के देवरिया शहर के सिंधी मिल स्थित श्याम मंदिर, सिंधी मिल से शुक्रवार को भगवान खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा निकाली गई। रंगभरी एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग में भक्तों ने रंग, अबीर और गुलाल उड़ाकर अपनी आस्था और उल्लास का प्रदर्शन किया। यात्रा प्रारंभ होने से पहले सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। विधि-विधान से पूजा-अर्चना और निशान पूजन के बाद यात्रा की विधिवत शुरुआत हुई। श्रद्धालु हाथों में पवित्र निशान लिए *खाटू श्याम बाबा की जय* के जयकारों और भजन-कीर्तन के साथ आगे बढ़ते रहे। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने यात्रा को और भी जीवंत बना दिया। निशान यात्रा सिंधी मिल क्षेत्र से प्रारंभ होकर कसया ओवरब्रिज, मालवीय रोड, सुभाष चौक, बिरहा, पीएम आवास, कोतवाली रोड, न्यू कॉलोनी, जलकल रोड, मोतीलाल रोड और पेड़ा गली सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: मंदिर परिसर पहुंची। जगह-जगह स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया तथा प्रसाद का वितरण भी किया गया। रंगभरी एकादशी के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। भक्ति

गीतों और ढोल-नगाड़ों की धुन पर पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन समिति की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस अवसर पर अमर अग्रवाल, अनूप कानोडिया, वेद कनोडिया, श्याम सुंदर खेतान, प्रेम अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, अजय नागलिया, सुमित अग्रवाल, हिमांशु सिंह, अंजू केजरीवाल, मधु केडिया और वीना अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहें ।

नौ मजदूरों की मौत के बाद बंद पड़ी सासामुसा चीनी मिल फिर होगी चालू

हेलीकॉप्टर से पहुंचे अपर मुख्य सचिव व निरानी ग्रुप चेयरमैन

गोपालगंज (हिंस)। बिहार सरकार द्वारा राज्य की 25 बंद पड़ी चीनी मिलों को दोबारा चालू करने की कवायद अब जमीन पर उतरती दिख रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव के सेंथिल और कर्नाटक आधारित निरानी ग्रुप के चेयरमैन दुर्गेश निरानी हेलीकॉप्टर से गोपालगंज पहुंचे और वर्षों से बंद पड़ी सासामुसा चीनी मिल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान गन्ना उद्योग विभाग के आयुक्त जेपीएन सिंह समेत कई स्थानीय अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद दुर्गेश निरानी ने कहा कि उनकी कंपनी कर्नाटक की प्रमुख औद्योगिक समूहों में शामिल है और बिहार में उनकी करीब नौ इकाइयां संचालित हैं। उन्होंने बताया कि रीगा चीनी मिल (सीतामढ़ी) को पुन: चालू करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अब सासामुसा मिल की तकनीकी व व्यावसायिक संभावनाओं का आकलन किया जा रहा है। निरानी ने दैनिक भास्कर को बताया कि सासामुसा मिल के पास लगभग 40-45 एकड़ भूमि उपलब्ध है, जबकि कुछ जमीन लीज पर है। प्रस्ताव है कि यहां केवल गन्ने से चीनी उत्पादन ही नहीं, बल्कि चावल और मकई किसानों से बायो-प्रोडक्ट खरीदकर उसका भी उत्पादन किया जाए। इस बहु-उत्पाद मॉडल से गन्ना, धान और मकई—तीनों फसलों के किसानों को सीधा बाजार और बेहतर मूल्य मिल सकेगा। हालांकि विस्तारित परियोजना के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी, जिस पर राज्य सरकार से चर्चा की जाएगी। अपर मुख्य सचिव के. सेंथिल ने कहा कि निरीक्षण के दौरान किसानों और पूर्व कर्मचारियों के बकाया भुगतान के मुद्दे पर भी विस्तार से बातचीत हुई। सरकार इस दिशा में गंभीर है और जल्द ही ठोस निर्णय लिया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि पुनरुद्धार की प्रक्रिया में पुराने देनदारियों के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी।गौरतलब है कि दिसंबर 2017-18 में मिल परिसर में बॉयलर के पास हुए भीषण विस्फोट में 9 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस हादसे के बाद मिल पूरी तरह बंद हो गई और सैकड़ों परिवारों की आजीविका पर ताला लग गया। किसानों का गन्ना औने-पौने दाम पर बाहर भेजना पड़ा और इलाके की अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ गई, जिसको लेकर स्थानीय नेताओं ने मिल चालू करने को लेकर अनशन चालू किया था। स्थानीय विधायक अमरेन्द्र कुमार पांडेय के पहले पर अनशन तोड़े गए। उसके बाद विधायक ने सीएम नीतिश कुमार से भेंट कर मिल चालू करने का आग्रह किया था।

होली से पहले ही रंगों में रंगा शहर : खरीदारी ने पकड़ी रफ्तार

जयपुर (हिंस)। रंगों के पर्व होली के अवसर पर शहर के बाजार सजने लगे हैं। परकोटा, जौहरी बाजार, चौड़ा रास्ता सहित विभिन्न प्रमुख बाजारों में गुलाल, हर्बल रंग, पिचकारियों और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई दे रही है। दुकानदारों ने भी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नई-नई वैरायटी बाजार में उतारी है। इस बार बाजार में पारंपरिक गुलाल और गोटे के साथ-साथ क्लाउड सिलेंडर, कलर स्प्रे, कार्टून थीम पिचकारी और बच्चों के लिए सुपरहीरो डिजाइन की पिचकारियां खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। दुकानदारों का कहना है कि हर्बल और त्वचा के अनुकूल रंगों की मांग पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बढ़ी है। लोग रसायनयुक्त रंगों से दूरी बनाते हुए प्राकृतिक और ऑर्गेनिक रंगों को प्राथमिकता दे रहे हैं। पिचकारियों की भी बाजार में भरपूर वैरायटी उपलब्ध है। 15 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक की पिचकारियां बाजार में मिल रही हैं। छोटे बच्चों के लिए टैंक वाली पिचकारी, बैकपैक स्टाइल वाटर गन और फैंसी डिजाइन की पिचकारियां खूब पसंद की जा रही हैं। इसके अलावा रंग-बिरंगे गुब्बारे, अबीर, टोपी, टी-शर्ट और होली से जुड़े सजावटी सामान भी दुकानों पर सजे हैं। दुकानदार रमेश अग्रवाल के

अनुसार इस बार कीमतों में हल्की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन ग्राहकों का उत्साह कम नहीं हुआ है। कई व्यापारियों ने बताया कि त्योहार नजदीक आते ही बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है। वहीं इस बार होली पर कई नए ट्रेंड सामने आए हैं। खास तौर पर सफेद रंग की कस्टमाइज्ड टी-शर्ट युवाओं की पहली पसंद बनी हुई है। युवा अपने नाम, ग्रुप का नाम, स्लोगन या विशेष संदेश प्रिंट करवा रहे हैं। हैप्पी होली और बुरा न मानो होली है जैसे संदेशों वाली टी-शर्ट 50 से 300 रुपए तक की रेंज में बिक रही हैं। सफेद परिधानों पर रंगों की चमक अधिक उभरकर दिखाई देती है और फोटो भी आकर्षक आती है, यही वजह है कि युवाओं में इसका क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। कई ग्राहक पहले से ही अपने पसंदीदा डिजाइन की बुकिंग करवा रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के मुखौटों की मांग में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। बाजार में स्पाइडरमैन, गोरिल्ला और शेर जैसे आकर्षक मुखौटे 25 से 100 रुपए की रेंज में उपलब्ध हैं। रंग-बिरंगी विग, चश्मे और अन्य फैंसी सामग्री भी बच्चों और युवाओं को आकर्षित कर रही है। होली के हुड़दंग में पहचान छुपाकर मस्ती करने की परंपरा के चलते मुखौटों का खास उत्साह देखा जा रहा है। दुकानदार अशोक खण्डेवाल का कहना है कि पहले लोग सामान्य कपड़ों में होली खेलते थे, लेकिन अब कस्टमाइज्ड परिधानों का चलन तेजी से बढ़ा है। दोस्ती, मस्ती और त्योहार से जुड़े संदेशों वाली टी-शर्ट और कुर्तियां लोगों को लुभा रही हैं। युवाओं का मानना है कि अब होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि फैशन और अलग पहचान का भी माध्यम बन गई है। वहीं महिलाओं और युवतियों के लिए हल्के और आकर्षक डिजाइन की पारंपरिक कुर्तियां भी इस बार खास पसंद की जा रही हैं। होली के अवसर पर आरामदायक और स्टाइलिश परिधान खरीदने पर जोर दिया जा रहा है। बच्चों के लिए रंग-बिरंगी पिचकारियां, कार्टून थीम आधारित परिधान और अन्य होली सामग्री भी बाजार में उपलब्ध है। उधर अभिभावक भी बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदने पर जोर दे रहे हैं। चिकित्सकों ने भी त्वचा और आंखों की सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतने तथा हर्बल रंगों का ही उपयोग करने की सलाह दी है। त्योहार को लेकर बाजारों में चहल-पहल बढ़ने से व्यापारियों के चेहरे खिले नजर आ रहे हैं और शहर में होली का उल्लास धीरे-धीरे रंग जमाने लगा है।

सेबी ने साल्यूशन ओरिएंटेड फंड किए खत्म, अब निवेश रणनीति पर फोकस

ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे

मुंबई

सेबी ने स्पष्ट किया कि म्यूचुअल फंड का चयन अब नाम या भावुक टाइटल पर नहीं, बल्कि वास्तविक निवेश रणनीति पर आधारित होगा। इसी आदेश के तहत सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड कैटेगरी को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस श्रेणी में कुल 44 फंड थे, जिनमें 15 चिल्ड्रन फंड और 29 रिटायरमेंट फंड शामिल थे। सेबी ने कहा है कि निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहेगा। ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे, जिनका जोखिम प्रोफाइल और रणनीति समान है। हालांकि, इन फंडों में नई निवेश राशि पर तुरंत रोक लगाई गई है। अब निवेशकों के लिए लाइफ स्टाइल फंड मुख्य विकल्प होंगे। इन फंडों की खासियत यह है कि जैसे-जैसे निवेशक की उम्र बढ़ेगी या लक्ष्य के साल करीब आएगा, यह फंड अपने आप रिस्क कम कर देगा। युवा निवेशकों के लिए अधिक इक्विटी और रिटायरमेंट के नजदीक अधिक डेट इंस्ट्रूमेंट्स शामिल होंगे। सेबी ने साफ कर दिया है कि ये फंड लंबी अवधि के लिए हैं, इसलिए बीच में पैसा निकालने वालों पर कड़ा जुर्माना लगेगा: 1 साल के भीतर निकासी पर 3 फीसदी चार्ज, 2 साल के भीतर निकासी पर 2 फीसदी चार्ज और 3 साल के भीतर निकासी पर 1 फीसदी चार्ज लगाया जाएगा।

नेटफ्लिक्स की बोली ठुकराई, पैरामाउंट ने वार्नर ब्रदर्स अधिग्रहण में बढ़त बनाई

न्यूयार्क। नेटफ्लिक्स ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसाय को खरीदने के लिए अपनी नई बोली बढ़ाने से इनकार कर दिया। कंपनी ने कहा कि नई कीमत आर्थिक रूप से आकर्षक नहीं रह जाएगी। इससे पैरामाउंट को अधिग्रहण में स्पष्ट बढ़त मिल गई। स्काइडांस के स्वामित्व वाली पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए अपनी बोली बढ़ाकर प्रति शेयर 31 अमेरिकी डालर कर दी। साथ ही कंपनी ने सात अरब डालर की नियामक समाप्ति शुल्क पर भी सहमति जताई। पैरामाउंट अपने प्रस्ताव को पूरा करने के लिए अरबों डालर का कर्ज लेगा। वार्नर ब्रदर्स के निदेशक मंडल ने इसे कंपनी के लिए श्रेष्ठ प्रस्ताव करार दिया। नेटफ्लिक्स के विपरीत, पैरामाउंट वार्नर के सभी संचालन खरीदना चाहता है, जिसमें सीएनएन और डिस्कवरी जैसे नेटवर्क शामिल हैं। इससे सीएनएन का संयोजन पैरामाउंट के सीबीएस के साथ होगा और हालीवुड के प्रमुख स्टूडियो में दो का विलय होगा। पहले वार्नर महीने तक नेटफ्लिक्स के प्रस्ताव का समर्थन कर रहा था। लेकिन जब पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए प्रतिस्पर्धी बोली और अन्य संशोधन पेश किए, तो निदेशक मंडल ने अपनी राय बदल दी।

न्यूज ब्रीफ

लारस लैब्स के शेयर में तेजी, वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन मजबूत, पिछले दो कारोबारी सत्रों में शेयर की कीमत में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। ठेके पर दवा निर्माण और जेनेरिक दवाओं की प्रमुख कंपनी लारस लैब्स के शेयरों ने गुरुवार को बीएसई पर करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और 1,103.35 रुपये के उच्चतम स्तर को छू लिया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस शेयर की कीमत में कुल 8 फीसदी का उछाल आया है। सत्र के अंत में यह 1,092 रुपये पर बंद हुआ, जो 1.52 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। पिछले छह महीनों में शेयर ने बाजार औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 26 फीसदी की वृद्धि की, जबकि बीएसई सेंसेक्स में केवल 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पिछले एक साल में शेयर में 101.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में केवल 10.2 फीसदी की वृद्धि। दिसंबर तिमाही में लारस लैब्स ने राजस्व में 26 फीसदी की बढ़ोतरी कर 1,778 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ। सकल मार्जिन लगभग 60 फीसदी रहा और परिचालन लाभ मार्जिन में 27 फीसदी से थोड़ी अधिक बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने यह प्रदर्शन मुख्य रूप से अपने जेनेरिक कारोबार और सीडीएमओ प्रोग्राम के मजबूत प्रदर्शन के जरिए हासिल किया। भले ही सीडीएमओ कारोबार में कुछ मंदी रही हो, फिर भी विकसित बाजारों में एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की बढ़ी हुई मांग और चुनिंदा मालिक्यूल की मजबूत मांग ने मार्जिन को स्थिर रखा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2028 तक सीडीएमओ का योगदान 16 फीसदी से बढ़कर 32 फीसदी होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-26 में कंपनी के कुल 3,900 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का लगभग 75 फीसदी ऐक्टिव फार्मा और सीडीएमओ पर किया गया।

युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रही इलेक्ट्रिक बाइक्स

नई दिल्ली। पेट्रोल की लगातार बढ़ती कीमतें और पर्यावरण को लेकर जागरूकता युवाओं को तेजी से इलेक्ट्रिक बाइक्स की ओर खींच रही है। आधुनिक ई-बाइक्स आकर्षक डिजाइन, प्रभावशाली परफार्मेंस और एडवांस टेक्नोलाजी के साथ आती हैं, जो रोजाना कालेज और सिटी राइड के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। एडीएमएस डीबी जैसे माडल रेंज और स्पीड के दमदार काम्बिनेशन के लिए जाने जाते हैं। करीब 95 किमी/घंटा की टाप स्पीड और लंबी रेंज इसे डेली यूज के लिए उपयुक्त बनाती है। टीएफटी डिस्प्ले, नेविगेशन, काल-अलर्ट, रिवर्स मोड और फास्ट चार्जिंग जैसे फीचर्स इसे छात्रों के लिए सुविधाजनक विकल्प बनाते हैं। ओला इलेक्ट्रिक रोडस्टेर एक्स प्लस अपने फ्यूचरिस्टिक और स्पोर्टी डिजाइन की वजह से युवाओं के बीच खास आकर्षण रखता है। मल्टीपल राइड मोड, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, एलईडी लाइटिंग और ऐप कनेक्टिविटी इसे हाई-टेक अनुभव पसंद करने वाले स्टूडेंट्स के लिए बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।

सिंगापुर की ठकराल कारपोरेशन भारत में ड्रोन कलपुर्जों का करेगा विनिर्माण

सिंगापुर। सिंगापुर स्थित ठकराल कारपोरेशन लिमिटेड ने अपने नवीनतम वित्तीय विवरण में भारत में विशेषीकृत और एंटरप्राइज-ग्रेड ड्रोन के विनिर्माण की संभावनाओं का अध्ययन करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य औद्योगिक और वाणिज्यिक ड्रोन की बढ़ती मांग को पूरा करना और इस कम सेवा प्राप्त बाजार में अवसरों का लाभ उठाना है। ठकराल की अनुषंगी कंपनी भारत स्काइटेक कृषि ड्रोन क्षेत्र में सक्रिय है और घरेलू विनिर्माताओं को ड्रोन कलपुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करती है। इससे समूह को भारत में कृषि ड्रोन खंड में तेजी से विस्तार करने का अवसर मिलेगा। समूह का चीन के डीजेआई टेक्नोलाजी के साथ समझौता है। अगले 2-3 वर्षों में, ठकराल भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में 20-30 डीजेआई रिटेल स्टोर खोलने की योजना बना रहा है। इनमें प्रमुख शहरों में फ्लैगशिप स्टोर भी शामिल होंगे, जिनकी शुरुआत 2026 की पहली छमाही से होने की संभावना है। ठकराल ने एक उद्योग रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत का ड्रोन बाजार वित्त वर्ष 2023-24 में 50 करोड़ अमेरिकी डालर से बढ़कर 2029-30 तक 11 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंच सकता है। इस तेजी से बढ़ते बाजार में औद्योगिक, वाणिज्यिक और कृषि ड्रोन की मांग मुख्य प्रेरक होगी।

तीन नई आईसीई-पावर्ड काम्पैक्ट एसयूवी जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली

भारत में जल्द ही तीन नई आईसीई-पावर्ड काम्पैक्ट एसयूवी लान्च होने वाली हैं। इनमें रेनो की मिनी डस्टर, 2026 महिंद्रा थार फेसलिफ्ट और मारुति सुजुकी ब्रेजा फेसलिफ्ट शामिल हैं। रेनो मिनी डस्टर को सब-4 मीटर कैटेगरी में उतारा जाएगा। यह बड़े डस्टर का छोटा, लेकिन अधिक रग्ड वर्जन होगा, जिसमें मजबूत बाडी क्लैडिंग, बड़े व्हील्स और प्रचलित एसयूवी स्टांस मिलेगा। इसमें 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो लगभग 100 पीएस पावर और 160 एनएम टार्क देगा। फीचर्स में डुअल डिजिटल स्क्रीन, वायरलेस कनेक्टिविटी, अडास-लेवल 1 और 6 एयरबैग्स शामिल होने की संभावना है।

अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 8-12 लाख रुपये के बीच हो सकती है। महिंद्रा थार फेसलिफ्ट का डिज़ाइन और अधिक मार्डन और प्रीमियम होगा। नए फ्रंट ग्रिल, सी-शेप एलईडी डीआरएलएस, रीडिज़ाइन बंपर और अलाय व्हील्स अपडेट्स का हिस्सा होंगे। इंटीरियर में 10.25-इंच टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नया स्टीयरिंग व्हील, सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा शामिल हो सकता है। कीमत 10-18 लाख रुपये के बीच रहने की संभावना है। मारुति सुजुकी ब्रेजा फेसलिफ्ट मार्च-मई 2026 में लान्च होगी। इसमें रिवाइज्ड बंपर, अपडेटेड एलईडी लाइट्स, नए 16-इंच अलाय व्हील्स, बड़ा टचस्क्रीन, एचयूडी, वायरलेस चार्जिंग और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। इंजन विकल्प 1.5-लीटर पेट्रोल या नया 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल हो सकता है। अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 8.5-14 लाख रुपये रहेगी। तीनों माडल अपने-अपने सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेंगे और भारतीय ग्राहकों को आधुनिक, फीचर-रिच और किफायती विकल्प उपलब्ध कराएंगे। मालूम हो कि भारतीय आटोमोबाइल बाजार में काम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ग्राहक अब ऐसी कारों की तलाश में हैं, जो भरोसेमंद इंजन, दमदार परफार्मेंस और किफायती मेंटनेंस का सही संतुलन पेश करें।

जानिए, नेक्सान आईसीई और नेक्सान ईवी में से कौन है बेहतर

नई दिल्ली। तेजी से बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दामों के कारण भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ऐसे में यह सवाल आम है कि पेट्रोल कार खरीदी जाए या इलेक्ट्रिक इस तुलना को आसान बनाने के लिए हमने टाटा नेक्सान के दोनों माडल नेक्सान आईसीई और नेक्सान ईवी का उदाहरण लिया है। पेट्रोल की औसत कीमत रुपए 94.50-रुपए 95.50 प्रति लीटर के बीच पहुंच गई है, जबकि ईवी को घर पर चार्ज करने का खर्च लगभग रुपए 1 प्रति किमी बैठता है। अगर कोई खरीदार साल में 15,000 किमी गाड़ी चलाता है, तो 5 साल में दोनों कारों के बीच रनिंग कास्ट का अंतर बड़ा असर डाल सकता है। नेक्सान आईसीई की आन-रोड कीमत लगभग रुपए 13-14 लाख है, जबकि नेक्सान ईवी की कीमत रुपए17-18.5 लाख तक जाती है। शुरुआती 4-5 लाख रुपये का फर्क जरूर भारी लगता है, लेकिन आपरेटिंग कास्ट में ईवी इसे काफी हद तक कवर कर देती है। 5 साल में नेक्सान पेट्रोल लगभग 5,000 लीटर ईंधन पिएगी, जिस पर करीब रुपए 4.75 लाख खर्च होंगे। वहीं, नेक्सान ईवी लगभग 10,714 यूनिट बिजली का इस्तेमाल करेगी, जिसकी लागत सिर्फ रुपए 75,000 के आसपास बैठेगी। यानी अकेले ईंधन/चार्जिंग में ईवी लगभग 3-3.3 लाख रुपये की बचत करा देती है। मेंटेनेंस में भी ईवी काफी सस्ती है, क्योंकि इसमें इंजन नहीं होता। पेट्रोल माडल को जहां 5 साल में रुपए 60,000-रुपए 75,000 तक मेंटेनेंस चाहिए, वहीं ईवी में यह खर्च सिर्फ रुपए 15,000-रुपए 25,000 आता है। इंश्योरेंस ईवी का थोड़ा महंगा है, लेकिन कई राज्यों में ईवी पर टैक्स छूट यह अंतर कम कर देती है। कुल मिलाकर 5 साल में दोनों कारों की ओनरशिप कास्ट लगभग रुपए 22 लाख के आसपास पहुंचती है। हालांकि, जो लोग सालाना 15,000 किमी से ज्यादा ड्राइव करते हैं, उनके लिए ईवी 3-4 साल में ही ब्रेक-ईवन हासिल कर लेती है। 20,000 प्लस किमी चलाने पर ईवी पेट्रोल माडल से 2-2.5 लाख रुपये तक सस्ती साबित होती है। कैब/टैक्सी यूजर्स के लिए बचत और भी ज्यादा हो जाती है। रीसेल की बात करें तो पेट्रोल कार थोड़ी आगे रहती है, लेकिन बढ़ती ईवी टेक्नोलाजी के चलते इलेक्ट्रिक कारों की रीसेल वैल्यू भी तेजी से सुधार रही है। अगर आपकी रोजाना रनिंग 40-50 किमी से कम है और बजट सीमित है, तो पेट्रोल कार प्रैक्टिकल विकल्प है।

अमेरिका-ईरान तनाव से तेल के 110 डालर तक पहुंचने की आशंका

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर पड़ सकता है असर

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतें हाल के दिनों में करीब 10 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो ब्रेंट कच्चा तेल 110 डालर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 57 प्रतिशत अधिक होगा। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ हारमुज से जुड़ा है।

यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इसी रास्ते से गुजरते हैं। साथ ही दुनिया की करीब 20 प्रतिशत गैस सप्लाई भी इसी मार्ग पर निर्भर है। यदि किसी सैन्य टकराव या अवरोध के कारण यहां से आपूर्ति बाधित होती है, तो तेल कीमतों में 20 से 40 डालर प्रति बैरल तक का अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम जुड़ सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि तनाव गहराने पर कीमतें 95 से 110 डालर प्रति बैरल या उससे ऊपर जा सकती हैं। फिलहाल फरवरी में ब्रेंट लगभग 70 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है और हाल ही में यह 72 डालर तक पहुंचा था। निवेशकों और कारोबारियों में आशंका है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

हालांकि अगर अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक समाधान निकलता है और किसी प्रकार की सैन्य कार्रवाई नहीं होती, तो कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है। ऐसे परिदृश्य में ब्रेंट फिर से 60 डालर के निचले स्तर तक आ सकता है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर मौजूद अतिरिक्त उत्पादन क्षमता भी संभावित आपूर्ति झटकों को संतुलित कर सकती है।

1 अप्रैल से 20 फीसदी एथनाल मिश्रित पेट्रोल बिक्री अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से देशभर में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री अनिवार्य कर दी है। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 17 फरवरी को अधिसूचना जारी की। आदेश के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम से कम 95 रिसर्च आक्टेन नंबर (आरओएन) वाला एथनाल मिश्रित पेट्रोल बेचना होगा। यह ईंधन भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार तेल कंपनियों को सीमित अवधि और तय क्षेत्रों में मानकों के अनुरूप ईंधन की बिक्री की अनुमति दे सकती है। हाल के महीनों में पेट्रोल में एथनाल मिलाने को लेकर विवाद भी सामने आए हैं। कुछ दावों में कहा गया कि गन्ने, चावल और मक्के से बने एथनाल के उपयोग से वाहनों की माइलेज और इंजन क्षमता प्रभावित हो सकती है। हालांकि सरकार का कहना है कि उच्च आरओएन स्तर इंजन प्रदर्शन को संतुलित रखेगा। सरकार इस कदम को आयात निर्भरता घटाने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में अहम मान रही है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये से लेकर 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये से लेकर 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,61,820 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

टेक शेयरों में आई गिरावट, खासकर एनवीडिया के शेयरों में 5.50 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी आ जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,908.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 279.73 अंक यानी 1.21 प्रतिशत टूट कर 22,872.35 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 49,499.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,846.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत उछल कर 8,620.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 113.08 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,289.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर गिरावट का रुख नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। निक्केई इंडेक्स 170.27 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 58,753.39 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की छलांग लगा कर 4,977.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 156.50 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,508.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.53 प्रतिशत टूट कर 6,273.77 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 384.70 अंक यानी 1.46 प्रतिशत लुढ़क कर 26,381.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.27 प्रतिशत फिसल कर 8,212.64 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,139.53 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,531.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टी20 विश्व कप के बीच रिंकू सिंह पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता का लीवर कैंसर से निधन

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज़ रिंकू सिंह के पिता खचंद्र सिंह का स्टेज-4 लीवर कैंसर से लंबी जंग के बाद निधन हो गया। उन्होंने ग्रेटर नोएडा स्थित यथार्थ अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां हाल के दिनों में उनकी तबीयत बेहद नाज़ुक हो गई थी और उनका इलाज चल रहा था।

परिजनों के अनुसार खचंद्र सिंह वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे और उनकी हालत स्थिर करने के लिए डाक्टर लगातार रीनल थेरेपी दे रहे थे। गहन चिकित्सा के बावजूद उनकी सेहत में तेजी से गिरावट आई और अंततः उनका निधन हो गया।

विश्व कप ड्यूटी के बीच निजी क्षति

यह दुखद घटना उस समय हुई जब रिंकू सिंह भारतीय टीम के साथ टी20 विश्व कप में व्यस्त थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले से पहले जब उनके पिता की हालत बिगड़ी थी, तब वह घर लौटे थे। बाद में वह चेन्नई में टीम से दोबारा जुड़ गए थे। हालांकि पिता के निधन के बाद वो वापस घर लौट गए हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में रिंकू सिंह अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं थे। टीम संयोजन में बदलाव करते हुए संजू सैमसन और अक्षर पटेल को शामिल किया गया था। संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में मौका मिला, ईशान किशन को नीचे भेजा गया और तिलक वर्मा को फिनिशर की भूमिका सौंपी गई। हालांकि रिंकू मैदान पर बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी टीम के साथ मौजूद रहे। टूर्नामेंट में अब तक रिंकू सिंह पांच मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 24 रन बनाए हैं और फिनिशर की अपनी निर्धारित भूमिका निभाई है। आगे खेलेंगे या नहीं, संशय बरकरार भारत को अब कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबला खेलना है, जो लगभग नाकआउट जैसा है। ऐसे में रिंकू सिंह की उपलब्धता को लेकर संशय बना हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड या टीम प्रबंधन की ओर से अभी तक उनकी भागीदारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। टीम इंडिया जहां एक ओर महत्वपूर्ण मुकाबले की तैयारी कर रही है, वहीं खिलाड़ी अपने साथी के इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

रणजी ट्राफी 2025-26 सीज़न में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने आकिब नबी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने रणजी ट्राफी 2025-26 सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस सत्र में कुल 60 विकेट लेकर मौजूदा रणजी ट्राफी अभियान के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। रणजी ट्राफी के इस सत्र में आकिब नबी ने कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले में 54 रन देकर पांच विकेट झटके। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने कर्नाटक की टीम केवल 293 रनों पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर की पहली पारी के 584 रनों के विशाल स्कोर से काफी पीछे रह गई। इस उपलब्धि के साथ आकिब नबी टूर्नामेंट के 92 वर्षों के इतिहास में एक ही सत्र में 60 विकेट लेने वाले केवल तीसरे तेज गेंदबाज बन गए हैं। यह उनके लिए घरेलू क्रिकेट में एक यादगार उपलब्धि मानी जा रही है। इस सत्र में यह उनका सातवां पांच विकेट हाल रहा, जबकि रणजी करियर का यह 15वां पांच विकेट हाल है। आकिब नबी ने यह ऐतिहासिक मुकाम कर्नाटक के बल्लेबाज शिखर शेट्टी को आउट कर हासिल किया। इससे पहले उन्होंने कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल को भी पगबाधा आउट किया, जिन्होंने 160 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की थी।

लास एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लास एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लास एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे : तिलक

चेन्नई। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे। तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपाक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।

ईस्ट बंगाल और जमशेदपुर लगातार तीसरी जीत की तलाश में, पंजाब की नज़र बेंगलुरु के खिलाफ वापसी पर

कोलकाता/बेंगलुरु

ईस्ट बंगाल एफसी कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में इंडियन सुपर लीग 2025-26 सीज़न के मैच 16 में जमशेदपुर एफसी से भिड़ेगी। मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे होगी। जबकि दूसरे मैच में बेंगलुरु एफसी, बेंगलुरु स्थित श्री कांतीरवा स्टेडियम में पंजाब एफसी की मेजबानी करेगा। इस मैच की शुरुआत शाम 19:30 बजे होगी।

ईस्ट बंगाल एफसी बनाम जमशेदपुर एफसी ईस्ट बंगाल एफसी अपनी पिछली भिड़ंत में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली पर 4-1 की शानदार जीत के बाद तालिका में शीर्ष स्थान पर काबिज है। एडमंड लालरिंदिका, मिगेल फिगुएरा और यूसुफ एजेज्जारी (दो गोल) की बदौलत रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने आसान जीत दर्ज की। दोनों टीमों ने अपने शुरुआती दो मुकाबलों में छह-छह अंक अर्जित किए हैं। ऐसे में इस मुकाबले का विजेता अस्थायी रूप से तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करेगा। घरेलू मैदान पर जीत की लय बरकरार रखने की आवश्यकता पर ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच आस्कर ब्रूज़ोन ने कहा, हमारा सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य तीन अंक हासिल करना है, लेकिन हम यह अपने खेल की पहचान और उच्च स्तर के प्रदर्शन के साथ करेंगे। जमशेदपुर ट्रांज़िशन में मजबूत है, सेट-पीस पर खतरनाक है और बेहद संगठित टीम है, इसलिए हमें पूरे 90 मिनट एकाग्र और अनुशासित रहना होगा। मिडफील्डर साउल क्रेस्पो ने कहा, वे एक मजबूत टीम हैं। हम उनके कुछ खिलाड़ियों और उनकी गुणवत्ता को जानते हैं। उनके कोच से भी परिचित हैं। यह कठिन मुकाबला होगा, लेकिन इस सीज़न में हम एक टीम के रूप में आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। हमने शानदार शुरुआत की है और घरेलू दर्शकों के समर्थन से इसी लय को जारी रखना चाहते हैं। जमशेदपुर एफसी फिलहाल छह अंकों के साथ गोल अंतर के आधार पर चौथे स्थान पर है। मेन आफ स्टील ने अपने पिछले मुकाबले में पंजाब एफसी को 1-0 से हराया था, जिसमें विंसी बारेटो ने 78वें मिनट में निर्णायक गोल किया। टीम ने लगातार दूसरी क्लीन शीट दर्ज की और अब वे अपनी मजबूत रक्षात्मक संगठन क्षमता को बरकरार रखते हुए आक्रामक शुरुआत करने वाली ईस्ट बंगाल टीम का सामना करेंगे। ईस्ट बंगाल के घरेलू समर्थन को स्वीकार करते हुए जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच

ओवेन कायल ने कहा, कोलकाता में ईस्ट बंगाल के खिलाफ यह बड़ा मुकाबला है। वे शानदार इतिहास और इस सीज़न भारी निवेश वाली टीम हैं। आस्कर ब्रूज़ोन मेरे अच्छे मित्र और बेहतरीन कोच हैं, लेकिन मैच के दौरान हम दोनों जीत के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उनके पास मजबूत भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और प्रतिभाशाली विदेशी खिलाड़ी हैं। हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने आगे कहा, हमेशा तीन-चार गोल करना जरूरी नहीं होता; अनुशासन, कड़ी मेहनत और परिणाम हासिल करना महत्वपूर्ण है। दो मैचों में छह अंक और दो क्लीन शीट इस टीम के चरित्र को दर्शाते हैं। मिडफील्डर प्रणय हलदर ने कहा, ड्रेसिंग रूम का मनोबल बहुत ऊंचा है। हम एक-दूसरे और अपने कोचिंग स्टाफ पर भरोसा करते हैं। यदि हम इसी मानसिकता और जुझारूपन के साथ आगे बढ़ते रहे, तो इस सीज़न कुछ खास हासिल कर सकते हैं। ईस्ट बंगाल जहां घरेलू मैदान पर खेल की गति निय त्रित करना चाहेगी, वहीं जमशेदपुर काम्पैक्ट रहते हुए ट्रांज़िशन का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

तीन महत्वपूर्ण अंकों की होड़ इस मुकाबले को रोमांचक बनाएगी। बेंगलुरु एफसी बनाम पंजाब एफसी बेंगलुरु एफसी अपने घरेलू मैदान पर नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद जीत की राह पर लौटना चाहेगा। ब्रायन सांचेज़ ने 20वें मिनट में बढ़त दिलाई थी, लेकिन लालरिनज़ुआला लालबियाकनिया के शानदार गोल से मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। मुख्य कोच रेनेडी सिंह ने कहा, हमें गेंद पर अधिक नियंत्रण रखना होगा और अंतिम तिहाई में अधिक मौके बनाने होंगे। यदि हम रक्षात्मक रूप से निरंतरता रखें और 90 मिनट तक तीव्रता बनाए रखें, तो जीत के करीब पहुंचेंगे। मिडफील्डर लालरेम्तलुआंगा फनाई ने कहा, कोच की शैली के अनुसार तीव्रता उच्च स्तर की होनी चाहिए। मेरा काम रक्षा में मदद करना और आक्रमण की शुरुआत करना है। मैं इस दोहरी भूमिका का आनंद ले रहा हूं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में साथियों का भरपूर समर्थन मिलता है। पंजाब एफसी को अपने पहले मैच में जमशेदपुर के खिलाफ 0-1 की हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि टीम ने लंबे समय तक मजबूती से मुकाबला किया और अंत में देर से गोल खाया। पंजाब को एआईएफएफ सुपर कप के ग्रुप चरण में बेंगलुरु पर मिली जीत से आत्मविश्वास मिलेगा। हेड-टू-हेड रिकार्ड में भी पंजाब का पलड़ा भारी है— उन्होंने दो मैच जीते हैं और एक ड्रा खेला है, जबकि बेंगलुरु के नाम एक जीत है। मुख्य कोच पानागियोटिस डिल्मपेरिस ने कहा, बेंगलुरु इस सीज़न नए भारतीय कोच के साथ अलग शैली में खेल रही है। वे आक्रामक और रक्षात्मक दोनों रूपों में ढल सकते हैं। लेकिन हमें अपने खेल की गति और पहचान पर ध्यान देना होगा। धैर्य और मेहनत के साथ हम हर मैच में मजबूत होते जाएंगे। कप्तान दानी रामिरेज़ ने कहा, यह छोटा लीग प्रारूप है और हम ज्यादा गलतियों की गुंजाइश नहीं रख सकते। लेकिन यही इसे रोमांचक बनाता है। यदि हम लगातार जीत की लय पकड़ लें, तो तालिका में तेजी से ऊपर पहुंच सकते हैं।

पीठ दर्द के कारण भारत सीरीज से बाहर हुईं सोफी मोलिनेक्स

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की हरफनमौला खिलाड़ी सोफी मोलिनेक्स भारत के खिलाफ जारी बहु-प्रारूप सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई हैं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है कि उन्हें निचले हिस्से की पीठ में दर्द (लोअर बैक पेन) की शिकायत है, जिसके चलते यह फैसला लिया गया।

28 वर्षीय मोलिनेक्स ने ब्रिस्बेन में खेले गए पहले महिला वनडे में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर एक विकेट लिया था। हालांकि दूसरे वनडे (होबार्ट) में वह टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मोलिनेक्स की चोट के कारण अगले महीने होने वाली वेस्टइंडीज सीरीज में उनकी भागीदारी पर भी संशय पैदा हो गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने स्पष्ट किया है कि उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जाएगी और चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

हाल ही में बनीं थीं आस्ट्रेलिया की कप्तान

पिछले महीने सोफी मोलिनेक्स को सभी प्रारूपों के लिए आस्ट्रेलिया महिला टीम की कप्तान नियुक्त किया गया था। वह दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली की जगह संभालने वाली थीं, जिन्होंने भारत सीरीज के बाद संन्यास लेने का फैसला किया है। मोलिनेक्स ने भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों में टीम की अगुवाई भी की थी, जब हीली टीम में शामिल नहीं थीं।

टास के दौरान एलिसा हीली ने कहा कि मोलिनेक्स की चोट की खबर सभी के लिए चौंकाने वाली और निराशाजनक रही। उन्होंने टीम से अपील की कि वह चोटिल खिलाड़ियों के साथ मजबूती से खड़ी रहे।

चोटों से जूझता रहा है करियर

सोफी मोलिनेक्स का करियर पहले भी कई चोटों से प्रभावित रहा है। वह 2022 की एशेज और वनडे विश्व कप में पैर की चोट के कारण नहीं खेल सकीं। उसी वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों से भी बाहर रहीं। 2023 टी20 विश्व कप में वह एसीएल चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाईं। हाल ही में 2025 वनडे विश्व कप (भारत और श्रीलंका) के दौरान उनकी वापसी को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया था, क्योंकि वह घुटने की चोट से उबर रही थीं।

यूईएफए यूरोप लीग फुटबॉल

सर्बिया में यूईएफए यूरोप लीग फुटबॉल में खेलते हुए क्रविना जवेडा और लिली हैकन के खिलाड़ी।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है। ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के

भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी माडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा। हर टीम में कम से कम दो विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करना अनिवार्य होगा, जबकि अधिकतम संख्या तीन या चार तक हो सकती है। टूर्नामेंट की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा।

जिम्बाब्वे पर मिली जीत के बाद, कप्तान सूर्यकुमार बोले- गेंदबाज़ी में और क्लिनिकल होना होगा

चेन्नई

आईसीसी टी 20 विश्व कप सुपर 8 चरण के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने गुरुवार को जिम्बाब्वे पर 72 रनों की शानदार जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित ओवरों में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने लीग चरण और पिछले मुकाबले की बातों को पीछे छोड़कर नए सिरे से शुरुआत की।

उन्होंने कहा, हमने सोचा कि जो भी लीग चरण में हुआ या पिछले मैच में हुआ, उसे पीछे छोड़ दें। हमारे वीडियो विश्लेषक ने साल भर के प्रदर्शन की एक स्लाइड सभी बल्लेबाज़ों और गेंदबाज़ों के लिए तैयार की थी। हमने उसे देखा और उससे काफी सकारात्मकता मिली। यहां आने के बाद शीर्ष क्रम से लेकर नंबर सात तक सभी बल्लेबाज़ों का योगदान देखना दिल को सुकून देने वाला था।

हालांकि कप्तान ने माना कि गेंदबाज़ी में अभी सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने साफ कहा, अगर ईमानदारी से कहूं तो हम गेंद से थोड़ा और क्लिनिकल हो सकते थे। लेकिन दिन के अंत में जीत, जीत होती है। आगे बढ़ते हुए हम अपनी कमियों पर काम करेंगे और जब वेस्टइंडीज के खिलाफ उतरेंगे तो अपनी रणनीति और मजबूत करेंगे।

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाज़ों की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाज़ों से कोई श्रेय नहीं छीनना चाहता। उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। पिच अच्छी थी, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में समय लिया और बाद में समझदारी से खेला। उन्हें भी पूरा श्रेय जाता है। हालांकि गेंदबाज़ी के नजरिए से हमें कुछ मौकों पर बेहतर विकल्प चुनने चाहिए थे।

आगामी मुकाबले को लेकर कप्तान ने संकेत दिए कि टीम को साहसिक फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा, ऐसी परिस्थितियों में हमें और ज्यादा साहसी बनना होगा और सकारात्मक रास्ता ही अपनाना होगा। कोलकाता पहुंचने के बाद हम बैठकर वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले की रणनीति बनाएंगे। फिलहाल कल आराम का दिन है, फिर यात्रा करेंगे और खुद को तरोताजा रखेंगे।

अब सबकी नजरें वेस्टइंडीज के खिलाफ 1 मार्च को होने वाले अगले अहम मुकाबले पर टिकी हैं, जहां भारतीय टीम सेमीफाइनल में जगह बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी।

नवजात की साफ-सफाई का यूं रखें ध्यान, नहलाते समय न करें ये 5 गलतियां

साफ-सुथरे बच्चे किसे नहीं पसंद. अक्सर नवजात बच्चों को साफ करना मुश्किल काम हो जाता है. एक तो वे नाजुक इतने होते हैं ऊपर से बार-बार नेपी में ही सुसु करने से कई बार उनके पास नमी ज्यादा हो जाती है, जिससे एक अजीब तरह की गंध पैदा होती है. ऐसे में माता-पिता अपने नवजात को नहला कर उसकी साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि नन्हें बच्चों को नहलाते समय किन बातों का रखना चाहिए ख्याल... माना की शिशु बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं, लेकिन कई बार सही तरीके से या सावधानियां न बरत कर उन्हें नहलाने पर यह और बुरा साबित होता है.

चलिए एक नजर उन बातों पर जो एक नन्हें शिशु को नहलाते हुए आपको रखनी चाहिए ध्यान-

स्टंप से न करें छेड़छाड़

बच्चे के जन्म के बाद उसकी नाभी से जुड़ी प्लेसेंटा की कोड को काट कर अलग किया जाता है. इसके बाद बच्चे की नाभि के पास बचे कोड के भाग को स्पंट लगा कर खून के बहाव का रोका जाता है. जैसे जैसे बच्चा बड़ा होता है यह स्टंप सूख कर खुद ही गिर जाता है. लेकिन नवजात को नहलाते समय इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी है. उसे ज्यादा न छेड़ें और खुद से हटाने की कोशिश तो बिलकुल भी न करें. ताजा स्टंप पर पानी ड़ालने से भी बचना चाहिए. उसके आसपास के भाग को कॉटन से सावधानी से साफ करें.

वर्निक्स है जरूरी

जब बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी त्वचा पर एक चिकना और सफेद पदार्थ होता है. इसे वर्निक्स कहते हैं. यह आपके बच्चे की त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है. वर्निक्स को बच्चे के जन्म के कम से कम छह घंटे बाद तक उसके शरीर पर रखें. वर्निक्स जन्म के बाद बच्चे की त्वचा के लिए प्राकृतिक कोट का काम करता है.

बहुत गर्म पानी से करें परहेज

क्योंकि नवजात बच्चे की त्वचा बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए उसे बहुत गर्म पानी से न नहलाएं. इससे बच्चे की त्वचा पर रैशेस हो सकते हैं. बच्चे को नहलाने से पहले पानी को अपने हाथ पर ड़ालकर देख लें कि वह ज्यादा गर्म तो नहीं है. उसके बाद ही बच्चे को नहलाएं.

उत्पादों का सही इस्तेमाल

हर माता पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा अच्छा दिखे. कई बार इसलिए ही वे शिशु उत्पादों का अधिक इस्तेमाल भी कर लेते हैं. लेकिन इस आदत से बचने की जरूरत है. हालांकि कुछ चीजों का इस्तेमाल तो जरूरी होता है, लेकिन कई चीजें हम बस यूं ही ले लेते हैं. बच्चे की त्वचा बहुत कोमल होती है, उस पर अधिक उत्पादों का इस्तेमाल करने से उसे नुकसान पहुंच सकता है.

बार-बार नहलाना

माना कि आप अपने बच्चे को अच्छी आदतें ड़ालना चाहते हैं और इन्हीं आदतों में से एक ही बच्चे को रोज नहाने की आदत हो. लेकिन यह आदत ड़ालने के लिए अभी आपको पास बहुत समय है. नवजात को रोज-रोज नहलाना जरूरी नहीं. आप उन्हें साफ करने के लिए बेबी वाइप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं. ज्यादा बार या बार-बार नहलाने से बच्चे की त्वचा पर मौजूद कोट को नुकसान पहुंच सकता है.

ताकि आप दिखें खूबसूरत, यूं मेकअप का असर रहेगा देर तक...

मेकअप में फाउंडेशन का इस्तेमाल आपको अच्छा या बुरा दोनों दिखा सकता है. यह आपके प्रयोग के तरीके पर निर्भर करता है. फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें और फाउंडेशन को हल्के पाउडर की मदद से सेट करें. फाउंडेशन लगाने के कुछ सुझावों पर एक नजर डालें

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व फेसवॉश से चेहरा और हाथ अच्छी तरह धुलें. तैलीय त्वचा वाले चाय पत्ती के तेल, नीम के गुणों और सैलीसिलिक एसिड वाले फेसवॉश का इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा शुष्क हुए बिना अच्छी तरह साफ हो जाए.

» उंगलियों की मदद से फाउंडेशन न लगाएं, फाउंडेशन ब्रश अपनाएं, यह आपकी त्वचा को कीटाणु मुक्त रखने में मददगार है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें. ऐसा करने से फाउंडेशन देर तक टिका रहेगा. प्राइमर चेहरे को केमिकल के संपर्क में आने से बचाता है और इससे आपका चेहरा स्वस्थ दिखता है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व मॉश्चराइजर , सनस्क्रीन या प्राइमर लगाएं और इसे दो मिनट के लिए सेट होने के लिए छोड़ दें. अगर आपको लगता है कि ऐसा करने से आपकी त्वचा तैलीय लग रही है, तो मुलायम टिश्यू से चेहरा पोछ लें.

» उसके बाद गाल, माथे, ठुड्डी और नाक के ऊपर फाउंडेशन की डॉट लगाएं. पूरे चेहरे पर फाउंडेशन न लगाएं. याद रहे फाउंडेशन लगाने का उद्देश्य चेहरे को ढंकना नहीं, बल्कि चेहरे के कम उजले हिस्से को निखारना है.

» अब चेहरे पर लगाई गई फाउंडेशन की डॉट को ब्रश की मदद से अच्छे से फैला लें.

» फाउंडेशन को हल्के पाउडर से सेट करें. ऐसा करने से आपका लुक नेचुरल लगेगा. पूरे चेहरे पर पाउडर लगाने की जरूरत नहीं है.

आंखों को बनाएँ स्मोकी ताकि सभी आंखें आप पर ठहर जाएँ

चेहरे की खूबसूरती में सबसे बड़ा योगदान होता है आंखों का। बहुत से गीतकारों और शायरों ने भी आंखों की खूबसूरती के लिए बहुत से गीत व शायरी लिखी हैं। हर महिला चाहती है कि उसकी आंखें हमेशा आकर्षक व मनमोहक लगें और इसके लिए वह मेकअप का सहारा लेती हैं। आजकल तो स्मोकी आईज का बेहद ही चलन है। आपकी आंखें चाहें किसी भी प्रकार की हों, स्मोकी आईज मेकअप बेहद ही खूबसूरत व अटैक्टिव लगता है। स्मोकी आईज मेकअप किसी भी पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट है। यह स्मोकी आईज मेकअप आपको एकदम स्टाइलिश दिवा का लुक देती है। इस मेकअप की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यह इंडियन ड्रेसेज से लेकर वेस्टर्न सभी पर अच्छी लगती है।

करें एक्सपेरिमेंट

वैसे तो स्मोकी आई मेकअप करने का अपना ही एक तरीका होता है, लेकिन अगर आप चाहें तो इस एक्सपेरिमेंटल युग में स्मोकी आई मेकअप में कुछ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ समय पहले तक जहां स्मोकी आईज मेकअप के लिए सिर्फ ब्लैक या ग्रे कलर के आईशेडोज को ही तवज्जो दी जाती थी, वहीं अब कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट किया जाने लगा है। आजकल वर्ल्डवाइड ब्लैक व ग्रे के अतिरिक्त पर्पल, ब्लू व डार्क ब्राउन कलर्स का इस्तेमाल भी काफी बड़ी रेंज में किया जाने लगा है। आप दो शेड्स के कलर्स के आईशैडो भी यूज करके स्मोकी लुक क्रिएट कर सकती हैं। लेकिन कलर्स का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें कि वह मैट फिनिश ही हो। इस प्रकार के कलर आपको एक अलग लुक ही प्रदान करते हैं।

स्किन टोन पर लगे सही

जब भी बात मेकअप ही होती है तो आपको कोई भी लुक, कलर या एसेसरीज का इस्तेमाल करते समय अपने चेहरे व स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है। कहते हैं कि हर प्रकार की महिला पर एक-सा मेकअप अच्छा नहीं लगता। ठीक इसी प्रकार, ऐसा जरूरी नहीं है कि स्मोकी आईज मेकअप करते समय दो महिलाओं पर एक ही शेड्स फबेंगे। यदि आपका रंग थोड़ा गेंहूआ या सांवला है तो बेहतर होगा कि आप ब्लैक या ब्लू कलर से दूरी बना कर रखें। इस स्किन टोन की महिलाओं पर ब्राउन कलर अधिक अच्छा लगता है। वहीं जिन महिलाओं का रंग गोरा है, वह किसी भी शेड्स का चयन कर सकती हैं।

फिनिशिंग है मस्ट

स्मोकी आईज मेकअप करते समय जितना ध्यान कलर्स का रखना होता है, उतना ही फिनिशिंग भी जरूरी है। स्मोकी आईज मेकअप करने का मतलब यह है कि आपके फेस का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन आपकी आंखें ही हैं। ऐसे में उसे सही प्रकार की फिनिशिंग देना बेहद आवश्यक है। इसके लिए आप आईलाइनर सहित काजल व मस्कारा का सहारा ले सकती हैं। यदि आपने मेकअप करते समय मस्कारा अप्लाई नहीं किया तो आपकी आंखों का मेकअप अधूरा ही रह जाएगा और आप मनचाहा परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएंगी।

फेस मेकअप भी परफेक्ट

कोई भी मेकअप करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप अपने लिप्स या आंखों में से किसी एक पर ही फोकस रखें। मसलन, अगर आप ब्राइट लिपस्टिक यूज कर रही हैं तो आपका आईमेकअप लाइट होना चाहिए। वहीं अगर आप अपनी आंखों पर स्मोकी मेकअप अप्लाई कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने फेस का बाकी मेकअप न्यूड ही रखें। फिर चाहे बात फाउंडेशन की हो या ब्लशर की, इन्हें बहुत हल्का ही इस्तेमाल करें। वहीं यदि आपके लिप्स यदि नेचुरली पिंक हैं तो आपके लिए सिर्फ ग्लॉस लगाना ही पर्याप्त रहेगा। अगर आप फिर भी लिपस्टिक इस्तेमाल करना चाहती हैं तो किसी भी लाइट कलर की मैट फिनिश लिपस्टिक का ही चयन करें। आईज व लिप्स दोनों पर डार्क कलर्स अप्लाई करने से चेहरा खूबसूरत दिखने की बजाय अजीब-सा लगने लगता है।

एलोवेरा के ये नुकसान जानकर हो जाएंगे हैरान

एलोवेरा का पौधा शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसका इस्तेमाल सेहत के साथ-साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है। एलोवेरा जैल से स्ट्रैच मार्क्स, रूखी त्वचा और स्किन की कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा कई लोग स्वस्थ शरीर के लिए एलोवेरा जूस का भी इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन सब फायदों के साथ एलोवेरा के कई नुकसान भी हैं जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे।

1. हार्ट प्रॉब्लम : एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से शरीर में पोटेशियम की मात्रा घट जाती है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है और हार्ट अटैक आने का खतरा बन जाता है।

2. डायरिया : इसमें लैक्सेटिव एंथ्राक्विनोन जैसे तत्व मौजूद होते हैं जो पेट को नुकसान पहुंचाते है। एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से डायरिया जैसी समस्या हो जाती है।

3. गर्भपात : गर्भवती महिलाओं के लिए एलोवेरा जूस काफी खतरनाक होता है। इसके सेवन से गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा जो महिलाएं स्तनपान करवाती हैं उन्हें भी एलोवेरा जूस का सेवन नहीं करना चाहिए।

4. दवाओं का असर : जो लोग किसी बीमारी की वजह से लंबे समय से दवाओं का सेवन करते हैं उन्हें भी इसका सेवन करने से बचना चाहिए क्योंकि एलोवेरा में मौजूद लैक्सेटिव गुण शरीर पर दवाओं का असर नहीं होने देते।

भोजन के साथ न पीएं पानी हो सकते है नुकसान

पानी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे कई रोग दूर होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना-खाने के बाद, बीच या पहले पानी पीने से पाचन प्रक्रिया पर बहुत बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं कि इस तरह पानी पीने के क्या नुकसान हो सकते हैं। खाना खाने के 1 घंटे बाद ही पानी पीएं। आइए जाने इसके नुकसान।

न पीएं खाने के बीच पानी

खाने के बीच में पानी पीने से भोजन पच नहीं पाता और सीने में जलन होने लगती है।

इन बातों का रखें ध्यान

1. भोजन को अच्छे से चबा कर खाएं। चबा कर खाने से खाना पच जाता है और पानी पीने की जरुरत भी नहीं रहती।
2. भोजन करते समय अगर खांसी आए तो पानी की जगह दूध या लस्सी का सेवन करें।
3. अगर आप कुछ तीखा या चटपटा खा रहे हैं तो प्यास लगने पर गिलास भर कर पानी न पीएं। सिर्फ 2 घूट ही पीएं।
4. खाने के 1 घंटे बाद गर्म पानी पीने से पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाना पचने में मदद मिलती है।
5. खाना खाते समय कोल्ड ड्रिंक और जूस का सेवन न करें।
6. अगर भोजन तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन और खट्टा है तो पानी जरुर पीएं। ऐसे में पानी पीने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

100 बीमारियों की एक दवा है आंवला, आजमा कर देखिये

1. आंवले का सेवन वजन घटाने के लिए भी होता है। आंवला हमारे शरीर के फैट को बर्न करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

2. अगर आपको भूलने की आदत है तो जनाब देर किस बात की है... तुरंत बाजार जाएं और आंवला खरीदकर खाएं। याददाश्त बढ़ाने में आंवले का सेवन लाभदायक है। रोजाना आंवले का मुरब्बा खाने से दिमाग तेज होता है।

3. आंवले का पेस्ट चेहरे पर लगाने से त्वचा संबंधी कई समस्याओं से छुट्टी मिल सकती है। आंवला खाने से या चेहरे पर इसका पेस्ट लगाने से झुर्रियां नहीं आती, त्वचा साफ और निखरी रहती है। चेहरे के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए आंवले का इस्तेमाल करें। रोजाना एक आंवला खाने से आपकी त्वचा जवां बनी रहेगी।

4. रुखे और बेजान बालों से छुटकारा पाने के लिए आंवला बेहतरीन उपाय है। आंवला बालों के लिए प्राकृतिक टॉनिक है, जो बालों का विकास करने के साथ-साथ उन्हें झड़ने से भी

रोकता है।

5. शुगर के मरीजों के लिए आंवले का जूस पीना लाभदायक होता है। आंवले का जूस पीने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। बता दें, आंवले का जूस लगातार पीने से मधुमेह की बीमारी का अंत संभव है।

6. पेट से जुड़ी समस्या जैसे कब्ज और एसिडिटी से छुटकारा पाने के लिए आंवले का सेवन करें।

7. आंवले का रस आंखों के लिए फायदेमंद है। आंवला आंखों से जुड़ी समस्याओं (मोतियाबिंद, कलर ब्लाइंडनेस, कम दिखना) से निजात दिलाने में सक्षम है।

8. अगर खुजली की समस्या से परेशान हैं तो आंवले के पाउडर को किसी भी तेल में मिलाकर खुजली वाली जगह पर मसाज करें।

9. आंवले में बैक्टीरिया और फंगस से लड़ने की क्षमता होती है। आंवला अल्सर, पेट में संक्रमण जैसी बीमारियों को खत्म करता है।

10. आंवले का जूस रोजाना पीने से कोलेस्ट्रोल लेवल कम करने में मदद मिलती है। आंवले में मौजूद एमिनो एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट्स दिल के लिए फायदेमंद हैं।

11. महिलाओं में अक्सर वाइट डिस्चार्ज की समस्या देखी जाती है। ऐसे में आंवला पाउडर में शहद मिलाकर लगातार खाने से वाइट डिस्चार्ज की परेशानी से निजात पाया जा सकता है।

रेसिपी

पनीर चीज टोस्ट

1 1/2 स्पून तेल,

1/2 स्पून जीरा,

90 ग्राम प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च, 1 स्पून अदरक का पेस्ट, 90 ग्राम टमाटर, 1/4 स्पून हल्दी,1/2 स्पून नमक,

1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, 170 ग्राम पनीर, 1/2 टीस्पून मेंथी,

1 1/2 टेबलस्पून धनिया, ब्रेड स्लाइस, मोत्ज़ारेला पनीर, रेड चिली फ्लेक्स

विधि

एक पैन में तेल गर्म करके जीरा और प्याज डालें और अच्छे से भूनें। अब इसमें हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट डालकर 4-5 मिनट के लिए भूनें। फिर इसमें टमाटर, हल्दी, नमक, गरम मसाला और लाल मिर्च डालकर मिलाएं । इसके बाद इसमें पनीर, मेंथी और धनिया डालकर भूनें। अब एक ब्रेड स्लाइस लें और उसपर पनीर की भुर्जी, मोत्ज़ारेला पनीर और रेड चिली फ्लेक्स डालें। ओवन को 330°F/170°C के तापमान पर प्रीहीट करके ब्रेड स्लाइस को 7-10 मिनट के लिए बेक करें। पनीर चीज टोस्ट तैयार है, इन्हें सर्व करें।

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन,

1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा,

3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, तलने के लिए- तेल , परोसने के लिए: टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी

(2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

इन फेस पैक से पाएं गोरी और निखरी त्वचा

हर लड़की चाहती है कि वो खूबसूरत दिखे लेकिन तेज धूप के कारण चेहरे की रंगत काली पड़ जाती है। इससे बचने के लिए लड़कियां कई तरह के प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करती है लेकिन इनमें कैमिकल्स होने क कारण कई बार चेहरे को फायदे की जगह नुकसान पहुंचता है। ऐसे में इन घरेलू फेस पैक के इस्तेमाल से चेहरे की रंगत को निखारा जा सकता है।

1. मिल्क पाउडर और नींबू : 1 चम्मच मिल्क पाउडर में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट के बाद पानी से धो लें।

2. ओटमील और दही : ओटमील को रातभर पानी में भिगो कर रख दें। सुबह इसको ब्लैडर में पीस लें और फिर इसमें दही मिला कर पैक तैयार करें। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर पानी से धो लें।

3. आलू: आलू के रस को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

4. टमाटर और हल्दी : 1 चम्मच टमाटर के रस में आधा चम्मच नींबू का रस और एक चुटकी हल्दी को मिला कर पैक तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें।

5. बेसन : 1 चम्मच बेसन में 2 चम्मच दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं

6. पुदीना : पुदीने के पत्तों को पीस कर पेस्ट तैयार करें। सूखने पर चेहरे को अच्छे से धो लें। इससे त्वचा की टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

7. केला : केले को पीस कर उसमें 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच दही मिला कर पेस्ट तैयार करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**